दैनिक
बिहार पत्रिका
सच के साथ

पटना से प्रकाशित
अंक: 160
वर्ष : 04
मूल्य : 02
पृष्ठ : 06

मंगलवार, 04 फरवरी 2025
दैनिक हिन्दी डिजिटल अखबार
web_dainikbiharpatrika.com

सुविचार

आआप हमेशा खुद से प्रशन करिये कि मैं ऐसा क्यों हूं? सफ़लता आपके कदम चूमेगी।

विद्या और संस्कार का संगम: गया में राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन द्वारा विशेष सरस्वती पूजा

दैनिक बिहार पत्रिका/ धीरज गुप्ता

गया, बिहार। ज्ञान, विद्या, संगीत, कला और साहित्य की अधिष्ठात्री देवी मां सरस्वती की विशेष आराधना के अवसर पर राष्ट्रीय मानवाधिकार संगठन के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. मनीष पंकज मिश्रा के नेतृत्व में बसंत पंचमी के दिन भव्य पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मां सरस्वती की कृपा से न केवल पुस्तकीय ज्ञान प्राप्त होता है, बल्कि व्यक्ति को नैतिकता, विवेक और जीवन जीने की कला का मार्गदर्शन भी मिलता है।

विद्या की देवी सरस्वती की आराधना का महत्व

डॉ. मनीष पंकज मिश्रा ने कहा कि मां सरस्वती की आराधना करने से व्यक्ति सत्य, धर्म और ज्ञान के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित होता है। विद्यार्थियों के लिए यह पूजा बुद्धि, विद्या और संस्कृति को विकसित करने का एक पावन अवसर है। उन्होंने बताया कि देवी सरस्वती को ब्रह्मा जी की शक्ति और सृजन की प्रेरणास्रोत भी माना जाता है। इस दिन मां सरस्वती की आराधना करने से व्यक्ति में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और उसका मानसिक एवं बौद्धिक विकास होता है।

समारोह में विशिष्ट अतिथियों की उपस्थिति

इस विशेष पूजा समारोह में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कई वरिष्ठ नेता और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए। इनमें भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अधिवक्ता, भाजपा नेता राणा रणजीत सिंह, संतोष ठाकुर, दीपक पांडे, संजय यादव, मंटू कुमार, बबलू गुप्ता, महेश यादव सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मां सरस्वती की आराधना कर ज्ञान, शांति और समृद्धि की कामना की। बताते चलें कि बसंत पंचमी का यह पावन अवसर विद्या, संस्कृति और आचार-विचार की महत्ता को समझने का दिन है। मां सरस्वती की आराधना से व्यक्ति सिर्फ पुस्तकीय ज्ञान ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित होता है। इस तरह के आयोजन समाज में संस्कार और नैतिकता के प्रचार-प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

उत्साह के साथ शहर से गांव तक मनाया गया सरस्वती पूजा

महंगाई पर भारी दिखा सरस्वती पूजा का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी। रोहतास। विद्या की देवी मां सरस्वती की पूजा शहर से ग्रामीण इलाके तक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जगह जगह सरस्वती पूजा महोत्सव पर भक्ति जागरण का आयोजन किया गया। सरकारी से लेकर निजी विद्यालयों में गली-मोहल्ले एवं घरों में विद्या की देवी मां वीणावादिनी का पूजा वैदिक मंत्रोचार के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर कई स्थानों पर विशेषकर छात्र-छात्राएं उपस्थित होकर मां सरस्वती की पूजा पूरे भक्तिभाव से किया। पूजा के उपरांत अपने दोस्तों को अबीर गुलाल लगाकर गले मिलकर लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी। वैदिक मंत्र के उच्चारण से पूरा माहौल भक्तिमय हो रहा था। हर कोई इस पूजा को लेकर काफी उत्साहित दिखा। महंगाई के बावजूद अधिकांश शिक्षण संस्थानों में बच्चे परंपरिक ड्रेस पहनकर सरस्वती पूजा

कार्यक्रम में शामिल हुए। बच्चों ने विद्वत मां सरस्वती का पूजा याचना किया। शहर के न्यू डीलिया स्थित न्यू एक्सीलेंट एकेडमी में बच्चों ने स्कूल के निदेशक पत्रकार रोहित सिंह की देखरेख में उत्साह के साथ मां सरस्वती का पूजन कर प्रसाद ग्रहण किया। छात्र-छात्राओं को शिक्षकों ने सरस्वती पूजा महोत्सव के बारे में विशेष तौर पर जानकारी दी। वहीं सरस्वती पूजा को लेकर शहर से गांव तक चिन्हित स्थानों पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल की तैनाती की गई थी। मौके पर पूर्व विधायक ई सत्यनारायण सिंह, भाजपा नेता प्रोफेसर कन्हैया सिंह समेत बड़ी संख्या में राजनीतिक व सामाजिक कार्यकर्ताओं ने संस्थान में पहुंचकर मां सरस्वती की पूजा कर प्रसाद ग्रहण किया। एसडीएम सूर्य प्रताप सिंह व एएसपी कोटा किरण का कहना था, कि सरस्वती पूजा व विसर्जन कार्यक्रम को लेकर पुलिस विशेष तौर पर चौकस है। व शांतिपूर्वक सरस्वती पूजा समारोह संपन्न करा लिया जाएगा।

डीह दशहरा से अज्ञात चोरों ने बोलोरो लेकर हुआ फरार,जांच में जुटी पुलिस

दैनिक बिहार पत्रिका

समस्तीपुर। मोहनपुर थाना क्षेत्र के डीह दशहरा से चोरों ने रविवार के रात्री एक बोलेरो गाड़ी चोरी कर फरार हो गया ।इस संदर्भ में पीड़ित गाड़ी मालिक सुजीत कुमार पंडित ने बताया कि उनके घर के समीप नाली निर्माण कार्य चल रहा था। जिसके के कारण वह गाड़ी गांव के ही एक ग्रामीण के दरवाजे पर लगाए थे।जब सोमवार को इस अहले सुबह गाड़ी को लेकर किसी कार्य में जाना था ।लेकिन उक्त दरवाजे पर गाड़ी नहीं देख अचभींत हो उठे ।वहीं घटना की सूचना पर पहुंचे मोहनपुर थानाध्यक्ष अजीत कुमार त्रिवेदी के नेतृत्व आप पास में लगे सीसीटीवी को खंगालते हुए छानबीन में में जुट गई है ।

गोगरी बाजार से अतिक्रमण हटाने पर जाम से मिलेगी मुक्ति

दैनिक बिहार पत्रिका / खगड़िया

खगड़िया: गोगरी अनुमंडल के जमालपुर और गोगरी बाजार में अतिक्रमण के कारण जाम की गंभीर समस्या बनी हुई है। मुख्य बाजार में वर्षों से अतिक्रमण नासूर बन चुका है, जिससे स्थानीय लोग और राहगीर परेशान हैं।

अतिक्रमण बना जाम की समस्या का मुख्य कारण

सब्जी दुकानदारों और ठेला विक्रेताओं द्वारा सड़क किनारे सामान सजाने से जाम की स्थिति और विकराल हो जाती है। खासकर जमालपुर बाजार में ठेला और फुटपाथ पर लगी दुकानों के कारण मुख्य सड़क संकरी हो जाती है, जिससे आवाजाही बाधित होती है।

प्रशासन की निष्क्रियता पर सवाल

स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर प्रशासन जाम की समस्या के समाधान को लेकर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। कई बार विरोध करने पर भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। बाजार में ठेले और फुटपाथी दुकानों के कारण पैदल चलने वालों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है।

यातायात व्यवस्था पूरी तरह प्रभावित

अतिक्रमण के कारण सड़कों पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है, जिससे लोगों को घंटों तक जाम में फंसे रहना पड़ता है। मुख्य सड़क पर जब कोई वाहन प्रवेश करता है तो निकास के लिए लंबा समय लग जाता है।

क्या है समाधान?

प्रशासन को चाहिए कि वह अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए नियमित अभियान चलाए। सड़क किनारे अस्थायी दुकानों को निर्धारित स्थल पर स्थानांतरित किया जाए। ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू करने के लिए पुलिस बल की तैनाती की जाए। नगर प्रशासन को प्रभावी योजना बनाकर सख्त कदम उठाने की जरूरत है। यदि प्रशासन समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं करता है, तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

शिवराज यादव की माताजी के निधन पर मंत्री चिराग पासवान ने व्यक्त की संवेदना

दैनिक बिहार पत्रिका / खगड़िया

खगड़िया। खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार के मंत्री चिराग पासवान ने लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के जिलाध्यक्ष एवं नगर पार्षद शिवराज यादव की माताजी के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने एक शोक संदेश में कहा, ₹आपकी माताजी के देहांत की खबर सुनकर मन अत्यंत दुःखी हुआ। दुःख की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं आपके परिवार के साथ हैं।उन्होंने आगे कहा कि शासकीय कार्यों की व्यस्तता के कारण वह श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित नहीं हो सके, लेकिन उन्होंने परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें। ओम् शांति! शोक संदेश शिवराज यादव, जिलाध्यक्ष, लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) खगड़िया एवं नगर परिषद खगड़िया के वार्ड पार्षद के ठाकुरवारी, बलुआही, खगड़िया, बिहार स्थित आवास पर भेजा गया।

सरस्वती पूजा को लेकर हर ओर उत्साह, श्रद्धा के साथ की गई पूजा

दैनिक बिहार पत्रिका

विद्यापतिनगर। वसंत पंचमी के उपलक्ष्य पर सोमवार को प्रखंड क्षेत्र में विद्या, ज्ञान और सुर की अधिष्ठात्री देवी माता सरस्वती की पूजा-अर्चना कर लोगों ने सुख, शांति और वैभव की कामना की। सरस्वती पूजा को लेकर प्रखंड अंतर्गत प्रायः सभी शिक्षण संस्थानों के साथ-साथ गली-मोहल्ले में युवाओं के द्वारा देवी सरस्वती की प्रतिमा स्थापित कर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की गई। प्रखंड अंतर्गत मड़वा काली स्थान के समीप युवाओं द्वारा भव्य एवं आकर्षक पांडाल बनाया गया है, जो लोगों के लिए आकर्षण का विशेष केन्द्र बना रहा। इसके अलावा गुरूकुल शिक्षण संस्थान मऊ, कौटिल्या एकेडमी राजा

चौक, संत मेरिस इंग्लिश स्कूल वाजिदपुर, आकाश केंपस, दून पब्लिक स्कूल चतरा, यूनिक चिल्ड्रंस एकेडमी कल्यानगंज बंगराहा, एसीसी विद्यापतिनगर, दृष्टि प्ले स्कूल कष्टहारा आदि स्थानों पर हर्ष एवं उत्साह के साथ माता सरस्वती की पूजा-अर्चना कर छात्रों ने सुख, शांति और समृद्धि के साथ ज्ञान एवं विद्या की कामना की। वसंत पंचमी एवं सरस्वती पूजा को लेकर सुबह से ही बच्चों और युवाओं में विशेष उत्साह देखा गया। पारंपरिक लाल-पीले लिवास धारण कर दिन भर युवाओं और बच्चों की टोली पांडालों में जा कर प्रतिमा का दर्शन कर प्रसाद ग्रहण करती देखी गई।

कला प्रेमी सह राजद जिलाध्यक्ष मनोहर यादव ने किया फ़िल्म 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का लोकार्पण

दैनिक बिहार पत्रिका

खगड़िया। कला के क्षेत्र में फरकिया की ख्याति तेजी से फैलती जा रही है। सोशल मीडिया के माध्यम से अब गांव-गांव के कलाकार अपनी छिपी हुई प्रतिभाओं को निखारने में जुटे हुए हैं। राजद के जिलाध्यक्ष मनोहर यादव ने के टू फॉर बैनर तले बनी सामाजिक फ़िल्म 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' का केक काटकर लोकार्पण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा, हमें ग्रामीण कलाकारों के लिए एक बेहतर प्लेटफॉर्म की आवश्यकता है, ताकि उनकी प्रतिभा को सही दिशा मिल सके।

मनोहर यादव ने फ़िल्म के निर्माता और निर्देशक कुणाल सिंह के कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने इस फ़िल्म की अहमियत को भी रेखांकित किया, जो समाज में बेटी और बेटे में अंतर को समाप्त करने और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता फैलाने का कार्य करेगी।

फ़िल्म के मुख्य अतिथि की टिप्पणी

इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार और कलाकार डॉ. अरविंद वर्मा ने फ़िल्म की महत्ता को स्वीकार करते हुए कहा, यह फ़िल्म समाज में बेटियों के प्रति मानसिकता बदलने में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इसके माध्यम से लोगों में जागरूकता और समानता का संदेश जाएगा।

फ़िल्म में शामिल कलाकार और प्रदर्शन

निर्माता और निर्देशक कुणाल सिंह ने बताया कि यह फ़िल्म कई एपिसोड्स में होगी, और इसमें सभी स्थानीय कलाकार शामिल हैं। इस मौके पर फ़िल्म में अभिनय करने वाले प्रमुख कलाकारों में कुणाल सिंह, नव्या सिंह, गौतम गंभीर, अखिलेश कुमार, वैभव विशाल और एकलव्य भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में फ़िल्म का प्रदर्शन भी किया गया।

आज डेहरी पहुंचेगी जन सुराज की बाइक रैली

दैनिक बिहार पत्रिका

डेहरी। रोहतास।राज्य स्तर पर चल रहे जान स्वराज की रैली मंगलवार को डेहरी पहुंचेगी। प्रखंड क्षेत्र के बडीहां स्थित अपने निजी कार्यालय में जन सुराज पार्टी के वरीय नेता सह भावी विधान सभा प्रत्याशी युवा तुर्क समीर कुमार ने प्रेस वार्ता कर इसी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बताया कि पिछले दो साल से पदयात्रा कर रहे जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर के मार्गदर्शन में बिहार के हजारों युवा मिलकर पूर्व आईपीएस एवं जन सुराज युवा प्रदेश अध्यक्ष आनंद मिश्रा जी के नेतृत्व में, पटना के बिहार सत्याग्रह आश्रम से संपूर्ण बिहार में 20,000 किमी की मोटरसाइकिल यात्रा की शुरुआत की गई है। जन सुराज युवा संघर्ष यात्रा का उद्देश्य बिहार के हर कोने में ध्वस्त शिक्षा और भ्रष्ट परीक्षा व्यवस्था के खिलाफ एक नई अलख जगाना है। यह केवल एक यात्रा नहीं है, बल्कि यह समझाने का प्रयास है, कि आपका वोट केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि बिहार के करोड़ों लोगों की शिक्षा और रोजगार का आधार है। यह यात्रा हर गांव तक पहुंचकर नए बिहार के निर्माण का संकल्प है। बाइक रैली मंगलवार को पाली पुल के पास पहुंचेगी। वहां पार्टी कार्यकर्ता द्वारा आनंद मिश्रा का स्वागत किया जाएगा। तत्पश्चात बाइक रैली कर्पूरी चौक, अंबेडकर चौक, रतु बिगहा चौक, एकता चौंक, बांक, समेत अन्य स्थानों से होते यात्रा बिक्रमगंज जाएगी। मौके पर जन सुराज पार्टी के वरिष्ठ नेता गणेश पांडेय, विजय शंकर तिवारी, बबलू खान, धीरेंद्र रविदास, अखिलेश पासवान, संजय पासवान आदि उपस्थित थे।

सरस्वती पूजा के लिए 84 कमेटियों को प्रशासन ने जारी किया लाइसेंस, डीजे पर रहेगा प्रतिबंध

दैनिक बिहार पत्रिका / खगड़िया

खगड़िया। गोगरी थाना क्षेत्र में 84 सरस्वती पूजा कमेटियों को प्रशासन द्वारा लाइसेंस जारी किया गया है। गोगरी थानाध्यक्ष अजीत कुमार ने सोमवार को जानकारी देते हुए बताया कि विभिन्न पूजा कमेटियों एवं शिक्षण संस्थानों में सरस्वती प्रतिमा स्थापित करने के लिए लाइसेंस निर्गत किया गया है।

डीजे बजाने पर रहेगा सख्त प्रतिबंध

प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि पूजा से लेकर विसर्जन तक डीजे बजाने पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध रहेगा। यदि कोई पूजा कमेटी डीजे बजाती हुई पाई जाती है, तो उनके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर डीजे को जब्त कर लिया जाएगा।

सुरक्षा व्यवस्था के लिए प्रशासन मुस्तैद

सरस्वती पूजा के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। थाना स्तर पर लगातार मॉनिटरिंग की जा रही है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना न हो। गोगरी थाना प्रशासन ने पूजा आयोजकों से अपील की है कि वे नियमों का पालन करें और प्रशासन का सहयोग करें।

23 बोतल विदेशी शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार, न्यायिक हिरासत में भेजा गया

दैनिक बिहार पत्रिका / खगड़िया

बेलदौर/खगड़िया। स्थानीय पुलिस ने छापेमारी कर 750 एमएल की 23 बोतल विदेशी शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। सोमवार को आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गिरफ्तार कारोबारी की पहचान बेला नौवाद गांव निवासी स्वर्गीय दशरथ यादव के पुत्र बिरजू यादव के रूप में हुई है।

पुलिस की छापेमारी में बरामद हुई शराब

बेलदौर थाना अध्यक्ष परशुराम सिंह

ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस की एक विशेष टीम गठित की गई थी। एसआई राजेश कुमार के नेतृत्व में टीम ने आरोपी के घर पर छापा मारा, जहां से आरएस ब्रांड की 23 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

मद्य निषेध अधिनियम के तहत मामला दर्ज

इस मामले में पुलिस ने बिहार मद्य निषेध अधिनियम की विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस का कहना है कि इलाके में अवैध शराब के कारोबार पर कड़ी नजर रखी जा रही है और आगे भी इसी तरह की कार्रवाई जारी रहेगी।

बसंत पंचमी को लेकर निकाली गई कलश शोभा यात्रा एवं नाट्य मंचन का किया गया आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

अलौली,खगड़िया। बसंत पंचमी के पावन अवसर पर दहमा खैरी खुटहा पंचायत के ग्राम बेनहर में एक भव्य कलश शोभा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में कुल 108 कन्याओं ने भाग लिया और रथ की धुनों और गाजों के बीच यात्रा करते हुए सरस्वती स्थान तक पहुँची। यात्रा के दौरान सभी कलश व्रतियों को भोजन कराया गया, जिससे आयोजन का महत्व और बढ़ गया। रात्रि के समय, डॉ. भीम राव अंबेडकर नाट्य कला परिषद् के कलाकारों द्वारा एक नाट्य मंचन 'प्रतिशोध' किया गया। नाटक का मुख्य उद्देश्य आज के समाज में प्रतिशोध की भावना के कारण परिवार और समाज में आ रही परेशानियों को दर्शाना था। इस नाटक ने यह संदेश दिया कि प्रतिशोध की भावना से हम खुद और अपने आसपास के लोगों को किस तरह नुक्सान पहुँचा सकते हैं,

और इससे बचने की आवश्यकता है। नाट्य मंचन का उद्घाटन व्यवस्थापक मनीष कुमार द्वारा किया गया। मंच संचालन का कार्य रजनीश कुमार और अवधेश कुमार (शिक्षक) ने किया। मंच की अध्यक्षता दिलीप कुमार (शिक्षक) ने की, जबकि निर्देशक रणजीत कुमार और सह-निर्देशक मुकेश कुमार थे। इस आयोजन ने न केवल बसंत पंचमी की धार्मिक महत्ता को बढ़ाया, बल्कि समाज में सद्भाव और समझदारी का संदेश भी दिया।

कृष्णा भंडार,गोगरी में भारी डिस्काउंट पर किराना सामान

ग्राहकों के लिए सुनहरा मौका

गोगरी (खगड़िया) । विशेष रिपोर्ट

खगड़िया। जिले के गोगरी नगर परिषद वार्ड नंबर 12 में स्थित कृष्णा भंडार इन दिनों ग्राहकों को विशेष छूट का लाभ दे रहा है। स्टोर में सभी प्रकार के दाल पर 10 रुपए से 30 रुपए प्रति किलो तक की छूट दी जा रही है, वहीं तेल एवं अन्य खाद्य सामग्री भी सस्ते दामों पर उपलब्ध हैं। इसके अलावा, डिटर्जेंट पाउडर, हेल्थ ड्रिंक और अन्य घरेलू उत्पादों पर सीधा 10% डिस्काउंट दिया जा रहा है। ग्राहक

इस अवसर का लाभ उठाने के लिए कृष्णा भंडार स्टोर पर आ सकते हैं और विशेष ऑफर्स का फायदा उठा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए स्टोर पर आएं और मौके का लाभ उठाएं!

STF और मड़ैया थाना प्रभारी की संयुक्त कार्रवाई में 50,000 रुपए का इनामी अपराधी गिरफ्तार

दैनिक बिहार पत्रिका: एक संवाददाता

खगड़िया। पुलिस की सक्रियता और लगातार छापेमारी अभियान के बीच, एसटीएफ और मड़ैया थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने 50,000 रुपए के इनामी अपराधी मूसो यादव उर्फ रामधारी यादव को मड़ैया थाना क्षेत्र के अररिया बासा से गिरफ्तार किया। यह गिरफ्तारी उन अपराधियों के खिलाफ एसपी राकेश कुमार के नेतृत्व में चल रही लगातार कार्रवाई का हिस्सा है।

अपराधी की कुख्यात छवि और गिरफ्तारियों की बढ़ती संख्या

रामधारी यादव पर दर्जनों मामलों

का आरोप है, जिनमें आर्म्स एक्ट, हत्या का प्रयास, पुलिस पर हमला जैसे संगीन अपराध शामिल हैं। यह अपराधी परबत्ता और गोगरी प्रखंड में वर्षों से अपनी खौफनाक छवि के लिए कुख्यात था। खासकर, अप्रैल 2024 में एक विवादित जमीन नापी के दौरान इस अपराधी का हथियार लहराते हुए वायरल वीडियो ने इलाके में आतंक का माहौल बना दिया था। एसपी राकेश कुमार ने बताया कि रामधारी यादव की गिरफ्तारी से इलाके में कानून व्यवस्था पर असर पड़ेगा और अपराधियों को यह संदेश जाएगा कि पुलिस की कार्रवाई अब और तेज हो चुकी है।

पुलिस के लिए बड़ी सफलता

इस गिरफ्तारी को लेकर खगड़िया एसपी राकेश कुमार ने कहा कि यह कार्रवाई पुलिस द्वारा अपराधियों पर नकेल कसने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। पुलिस की सक्रियता से कई अपराधी डरे और सहमे हुए हैं।

गिरफ्तारी ने क्षेत्र में अपराधियों के मनोबल को तोड़ने का काम किया है।

एक नज़र इधर भी

सरस्वती पूजा और शब-ए-बारात को लेकर निकाला गया फ्लैग मार्च

दैनिक बिहार पत्रिका, समस्तीपुर। सरस्वती पूजा और शब-ए-बारात को लेकर शहर में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन व पुलिस पदाधिकारियों के द्वारा सोमवार को नगर थाना क्षेत्र के विभिन्न बाजारों एवं मुफ्फसिल थाना क्षेत्र में सदर एसडीओ दिलीप कुमार और सदर एसडीपीओ-1 संजय कुमार पांडेय के नेतृत्व में फ्लैग मार्च निकाला गया। फ्लैग मार्च के दौरान नगर थानाध्यक्ष शिवकुमार यादव, मुफ्फसिल थानाध्यक्ष अजित प्रसाद सिंह सहित भारी संख्या में पुलिस बल के जवान मौजूद रहे।फ्लैग मार्च मगरदही घाट से निकलकर पुरानी पोस्ट आफिस रोड, स्टेशन रोड, मारवाड़ी बाजार, गोला बाजार, बहादुरपुर, जितवारपुर, बाईपास बांध से होते हुए चकनूर, ताजपुर रोड समेत विभिन्न मार्गों में भ्रमण करते हुए पटेल गोलंबर पर समाप्त हुई। इस दौरान अधिकारियों ने आम जनता से शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पूजा संपन्न कराने की अपील की। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि किसी भी तरह की अफवाह फैलाने वालों या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। वहीं सुरक्षा व्यवस्था को लेकर प्रमुख पूजा स्थलों, बाजारों, भीड़भाड़ वाले इलाकों एवं चिन्हित संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पदाधिकारियों व जवानों की तैनाती की गई है।

इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी ने चित्रगुप्त मध्य विद्यालय में धूमधाम से मनाई सरस्वती पूजा

दैनिक बिहार पत्रिका,गया। इनर व्हील क्लब ऑफ गया सिटी ने चित्रगुप्त मध्य विद्यालय में सरस्वती पूजा को धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर क्लब के सदस्यों ने बच्चों के बीच पाठ्य सामग्री वितरित की, ताकि उन्हें शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित किया जा सके। सरस्वती पूजा मां सरस्वती की पूजा है, जो बुद्धि, कला और विद्या की देवी मानी जाती हैं। यह पूजा विशेष रूप से बसंत ऋतु की शुरुआत का प्रतीक भी है। इस कार्यक्रम में क्लब की अध्यक्ष मुक्ता अग्रवाल, उपाध्यक्ष सीमा भदानी, कोषाध्यक्ष शोभा कंधवे, पीपी आशा मित्तल, रंजना बरबधिया समेत अन्य सदस्य उपस्थित थे। क्लब की एडिटर प्रीति कुमारी ने इस आयोजन की जानकारी दी और इसे सरस्वती पूजा के महत्व को बढ़ावा देने वाला एक बेहतरीन प्रयास बताया।

पुलिस ने पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी को किया गिरफ्तार

ब्यूरो रिपोर्ट /दैनिक बिहार पत्रिका, बांका। रजौन थाना पुलिस ने पिछले डेढ़ साल से फरार चल रहे कुख्यात अपराधी नीतीश कुमार यादव उर्फ कंबलिया को सुजालकोरामा मोड़ से सोमवार की शाम धर दबोचा। उसके पास से एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद किया गया। कुख्यात अपराधी की पहचान श्यामपुर गांव निवासी देवघर यादव का बेटे नीतीश के रूप में हुई है। थानाध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि अपराधी हथियार के साथ क्षेत्र में घूम रहा है। पुलिस को देखकर भागने की कोशिश कर रहे आरोपी को खदेड़कर पकड़ा गया। बता दें कि आरोपी के खिलाफ रजौन थाने में लूट, पुलिस पर हमला, आर्म्स एक्ट और अवैध बालू खनन समेत 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके अलावा बाराहाट और भागलपुर के गोराडीह थाना क्षेत्र में भी कई आपराधिक मामलों में वांटेड था। पुलिस पिछले डेढ़ साल से लगातार इसकी तलाश में छापेमारी कर रही थी। थानाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व के मामलों के अलावा अब आर्म्स एक्ट के तहत नया केस दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में मनाई गई सरस्वती पूजा धूमधाम से

दैनिक बिहार पत्रिका,बौंसी/बांका। परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, बौंसी में सरस्वती पूजा धूमधाम से मनाई गई। यजमान के रूप में कक्षा दशम् के भैया पीयूष कुमार तथा पुरोहित के रूप में प्रधानाचार्य झुन्नू तिवारी के द्वारा माता सरस्वती की आराधना की गई। कक्षा दशम् के भैया- बहनों के द्वारा पूजा व्यवस्था की तैयारी की गई। इस अवसर पर पूर्व छात्र डॉ रमन कुमार जो वर्तमान में चिकित्सक है तथा पूर्व छात्रा ऋतु कुमारी जो वर्तमान में प्लस टू (+2) की शिक्षिका को प्रधानाचार्य झुन्नू तिवारी के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम प्रमुख रानी मिश्रा सह प्रमुख रुचि कुमारी के द्वारा कार्यक्रम का सफल संचालन किया गया। इस अवसर पर सुमन प्रसाद सिन्हा, अमरकांत मिश्रा, अंजनी माला कुमारी, सुनीता कुमारी, माला कुमारी, ललिता कुमारी, शिखा ठाकुर, खुशबू सोनी, सलोनी कुमारी तथा सभी कर्मचारी गण उपस्थित थे।

पूजा कर घर लौट रहे तेरह श्रद्धालु पिकअप वैन पलटने से हुए जख्मी

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। बांका जिले के चांदन प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत सुईया थाना के जिलेबिया मोड़ के समीप श्रद्धालु से भरे एक पिकअप वाहन पलटने से वाहन में सवार तेरह यात्री गंभीर रूप से जख्मी हो गया। सूत्रों के मुताबिक सभी जख्मी समस्तीपुर जिले के खानपुर थाना अंतर्गत उदयपुरा गांव निवासी बताई गई है। बताया गया कि, सभी श्रद्धालु पूजा अर्चना करने बाबा धाम (देवघर) पिकअप वाहन से गया था। लौटते क्रम में सोमवार सुबह 8 बजे के करीब कटोरिया

सुल्तानगंज मुख्य मार्ग के जिलेबिया मोड़ के समीप तीखे मोड़ पर आते ही वाहन चालक का संतुलन बिगड़ गया। और पिकअप वाहन सड़क किनारे अचानक पलट गई। वाहन पलटने से सभी सवार यात्री (श्रद्धालु) गंभीर जख्मी हो गया। जिसे स्थानीय लोगों की सूचना पर सुईया थाना विशाल कुमार आदि पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचकर क्षतिग्रस्त वाहन को कब्जे में लेकर सभी घायलों को इलाज हेतु, सामुदायिक अस्पताल बेलहर भेज दिया। जिसमें छह व्यक्ति को गंभीर चोटें लगी है, और एक की हालत चिंताजनक बताया गया। जहां मौके पर तैनात चिकित्सक राय बहादुर द्वारा प्राथमिक उपचार कर बेहतर इलाज हेतु मायागंज भागलपुर रेफर कर दिया है।

बिहार जिला पार्षद संघ के अध्यक्ष ने मां सरस्वती के चरणों में टेका माथा

क्षेत्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की

दैनिक बिहार पत्रिका

फुल्लीडुमर/बांका। सरस्वती पूजा के अवसर पर, बिहार जिला पार्षद संघ के अध्यक्ष और स्थानीय जिला पार्षद विश्वजीत दीपांकर ने बांका जिले के फुल्लीडुमर प्रखंड के विभिन्न पूजा पंडालों का भ्रमण किया और मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की। इस दौरान उन्होंने डोमों, कुमारपुर, रामचंदा, कैथा, तक्कीपुर, मोतिया, गनौरा, चांदनी चौक, फुल्लीडुमर बाजार, पाराचक, आमाटीकार तेलिया, सादपुर और डिमाई समेत अन्य गांवों में पूजा पंडालों में दर्शन किए।

समृद्धि और शिक्षा की कामना

फुल्लीडुमर चांदनी चौक पर पूजा आयोजकों ने विश्वजीत दीपांकर का भव्य स्वागत किया, जिसमें कृष्णा

कुमार, गुड्डू कुमार, राजीव कुमार, श्रवन कुमार, बादल कुमार, किशोरी साह, उपेंद्र शाह, निरंजन कुमार गुप्ता, राहुल कुमार सहित अन्य लोग शामिल थे। इस दौरान विश्वजीत दीपांकर ने कहा, सबसे बड़ी समृद्धि शिक्षा से आती है। मां सरस्वती शिक्षा की देवी हैं, और हम प्रार्थना करते हैं कि उनकी कृपा से बांका और बिहार राज्य में शिक्षा का स्तर बढ़े, ताकि लोग दुनिया भर में बिहार का नाम रोशन कर सकें। उन्होंने आगे कहा, हमां सरस्वती की कृपा से आज बिहारी कहलाना अपराध नहीं रह गया है। हम दिल्ली, मुंबई, लंदन, या न्यूयार्क में गर्व से कह सकते हैं कि हम बिहारी हैं। यही बदलाव मां सरस्वती की कृपा से आया है। विश्वजीत दीपांकर ने बिहार की तरक्की के लिए भी आशीर्वाद लिया और कहा, मां सरस्वती की कृपा से, बिहार भी जल्द ही विकासशील राज्यों की श्रेणी में होगा।इस अवसर पर उनके साथ गीतेश पंजीयरा, ब्रजेश यादव, डॉक्टर सत्यजीत कुमार, अमाशी चौधरी, मनोहर कुमार, जयद्रथ कुमार सहित कई लोग उपस्थित थे।

जिलेभर के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में धूमधाम से की गई मां सरस्वती की पूजा

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बांका। जिलेभर के सभी पूजा पंडालों में सोमवार को मां शारदे की पूजा अर्चना की गयी। इसी कड़ी में बौंसी प्रखंड क्षेत्र में सरस्वती पूजा का त्योहार आस्था भाव के बीच उत्साह, उल्लास, उमंग व हर्षोल्लास ढंग से मनाया गया। नगर व ग्रामीण क्षेत्रों के शैक्षिक संस्थानों में सोमवार को भक्तिभाव माहौल में शिक्षक शिक्षिकाओं व बच्चों ने मां सरस्वती वंदना का गायन व आराधना के साथ पूजन कर विधा, बुद्धि व शिक्षा का वर मांगा। हर जगह श्रद्धालु मां शारदे की आराधना में लगे नजर आए। कई जगहों पर युवाओं ने पूजा

के साथ साथ खूब मस्ती भी की और दिन भर हर जगह सेल्फी का दौर चलता रहा। हर क्षेत्र भक्तिमय गीतों की गूंज से गुंजायमान होता नजर आया। पंडालों मे मां शारदा की स्थापित सुंदर प्रतिमाएं भक्तो के लिए आकर्षण का केंद्र बनी है। मां शारदे कहां तू वीणा बजा रही हो जैसे प्रार्थना से पूरा वातावरण भक्तिमय बन गया है। दोपहर तक सभी पूजा पंडालों में स्थापित मां प्रतिमाओं का कपाट वैदिक मंत्रोच्चार के साथ खुल गया था। प्रखंड क्षेत्र में विभिन्न शिक्षण संस्थानों में विद्या की आराध्य देवी मां सरस्वती की पूजा धूमधाम से की गई। मुख्य रूप से एसबीपी विद्या विहार, परमेश्वर लाल खेमका सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, एमके पब्लिक स्कूल के साथ-साथ झपनियां और पंडा टोली में भी युवाओं के द्वारा बेहतर तरीके से पूजा अर्चना की गयी।

चुलाई शराब के साथ अभियुक्त गिरफ्तार तथा वाहन किया गया जप्त

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका।

बांका। अमरपुर थानान्तर्गत सुरहा मोड़ के पास स०अ०नि०विश्वजीत कुमार के नेतृत्व में एक वाहन (मोटरसाइकिल)सवार कुल 02 अभियुक्तों अजय कुमार राजहंश, पिता0- स्व० भोला प्रसाद यादव , घर0- नवटोलिया, थाना- फुल्लीडुमर ,जिला-बाँका, उम्र- 48 वर्ष करीब ,एवं पंकज यादव, पिता0- स्व० ग्रीस यादव, घर0- नवटोलिया, थाना- फुल्लीडुमर ,जिला-बाँका, उम्र-45 वर्ष करीब को कुल 02.000 लीटर चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार किया गया तथा वाहन जप्त किया गया।

साथ ही शराब सेवन के आरोप में कुल-04 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया जहाँ से वे जुर्माना देकर मुक्त किय गये ।

गुरुधाम में वसंत उत्सव की हुई शुरुआत

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। बौंसी प्रखंड अंतर्गत वेद विद्यापीठ गुरुधाम में वसंत उत्सव की शुरुआत सोमवार से हो गयी। विदित हो कि इस वर्ष आश्रम परिसर में 96वां वार्षिकोत्सव मनाया जा रहा है। हर वर्ष गुरुधाम के संस्थापक व गुरु महाराज आचार्य भूपेंद्र नाथ सान्याल जी का वार्षिक उत्सव श्रद्धा और उल्लास पूर्वक मनाया जाता है। इस धार्मिक आयोजन को लेकर आश्रम परिसर सहित आसपास के जगह को भव्य तरीके से सजाया गया है। बताया गया कि पांच दिवसीय कार्यक्रम में कई तरह के धार्मिक अनुष्ठान किए जा रहे हैं। सोमवार को सुबह के 4 बजे से ही कार्यक्रम की शुरुआत हो गयी। पहले दिन गुरु महाराज सान्याल बाबा का जन्मोत्सव मनाया गया। गुरुदेव की प्रतिमा के समक्ष मंगल आरती के साथ-साथ विशेष पूजा भी की गयी। आश्रम के विद्वान पंडितों के द्वारा गीता का पाठ भी किया गया। गुरुधाम में कार्यक्रम को लेकर उत्सवी माहौल है। मालूम हो कि दूसरे दिन मंगलवार को परम गुरुदेव लाहिड़ी बाबा का वार्षिकोत्सव, बुधवार को छोटे सरकार का वार्षिकोत्सव व दरिद्र नारायण सेवा की जायेगी। गुरुवार को बड़े सरकार का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया जायेगा। जबकि अंतिम दिन शुक्रवार को गुरुधाम उत्सव समिति के द्वारा शिव पंचायतन की पूजा की जायेगी। जिसमें भारी संख्या में गुरु भाई बहन शरीक होंगे। बताया गया कि इस बार ठंड कम होने की वजह से देश के विभिन्न प्रांतों से भारी संख्या में गुरु भाई बहनों का जुटान हो रहा है। एक अनुमान के मुताबिक 10000 से ज्यादा गुरु भाई बहन यहां पहुंचेंगे।5 दिनों तक आश्रम परिसर में भंडारे का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए कोलकाता से प्रमोद झुनझुनवाला के अलावे राजू डोकानियां, महर्षि पांडे, राजर्षि पांडे के साथ-साथ समिति के देवनारायण शर्मा, श्याम सिंह,सहित भारी संख्या में श्रद्धालु लगे हुए हैं। वसंत उत्सव का विधिवत समापन 7 फरबरी को होगा।

मदरसा अनावारूल इस्लाम परिसद में एक दिवसीय बैठक का आयोजन

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। प्रखंड के सुईया थाना अर्तगत मदरसा अनावारूल इस्लाम परिसद में एक दिवसीय बैठक आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता मुफ्ती मोहम्मद मुस्तकिम अहमद ने की। बैठक में विभिन्न विंदू पर विचार विर्मश के बाद आपसी सहमति से मदरसा में पढ़ाई समुचित व्यवस्था ओर बेहतर पढाई लिखाई की सहमति बनी। बैठक में काफी संख्या में ओलमा ए कराम व क्षेत्र के बुध्दी जीवी ने भाग लिया।बैठक का उदेश्य मदरसा समिति की गठन को लेकर किया गया था। लेकिन बैठक शुरू होते ही मदरसा के आय व व्यय पर चर्चा हुई। लेकिन बैठक का मुख्य उदेश्य मदरसा शिक्षा से जुड़ी विभिन्न समस्याओ पर गहन मंथन करना है । इस बैठक में मदरसा शिक्षकों की समस्याओं का समाधान निकालने और मदरसा शिक्षा को मजबुत बनाने के लिए महत्वपूर्ण बातों पर चर्चा हुई ।सभी ने एक सुर में कहा कि मदरसा शिक्षा को और बेहतर बनाने के लिए हर संभव मदद का भरोसा दिया गया। इस मौके पर सीक्रेटरी सरताज सदर मोर्करम मदरसा सीक्रेटरी निसार सदर गु मुस्तफा खजांती अतिक मो आविद हुसैन कारी नसीर उद्दीन मुफ्ती मुनाजिर हुसैन हाफिज रजव अली हाफिज समसाद आलम कारी ताहिर हुसैन हाफिज मुज्जमिल मौलाना हिदायत हाफिज जब्बार मौलाना शोहराब हाफिज अहमद रजा कारी मुस्ताक रिजवी,मो ताजमनोब्बर आदि मौजूद थे।

बौंसी दक्षिणी मंडल अध्यक्ष के रूप में रेजिना हेंब्रम के मनोनीत होने पर दी बधाई और शुभकामनाएं

दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। बौंसी दक्षिणी मंडल अध्यक्ष के रूप में रेजिना हेंब्रम के नाम का घोषणा जिला चुनाव प्रभारी अनिल ठाकुर एवं जिला अध्यक्ष ब्रजेश कुमार मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। उनके घोषणा होने पर बांका विधायक रामनारायण मंडल, विकास सिंह, पंकज दास, महेश गुप्ता, मनोज यादव, रामानंद चौधरी, खिरो यादव, रामदेव हेंब्रम, दिनेश यादव,झुनकी झा, अनुसूचित जनजाति में जिला अध्यक्ष पुरन लाल टुडू, व्यवसाय संध के अध्यक्ष राजीव कुमार सिंह, देवाशीष पाण्डेय, बंटी पाठक, संजय चौधरी,मंगल मुर्मू, अरविंद यादव, केशव सिंह, मधुसूदन चौधरी, मनोज चौधरी, उपप्रमुख प्रकाश चौधरी, जयप्रकाश सिंह, कल्याण सिंह,सुषास हेंब्रम,उतरीं मंडल अध्यक्ष अवधेश मिश्रा, बौंसी नगर अध्यक्ष मनमीत साह ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

आनंदपुर थाना पुलिस द्वारा डीजे किया जप्त

दैनिक बिहार पत्रिका

चांदन/बांका। सरकारी गाइडलाइन के आलोक में शांतिपूर्ण तरीके से सरस्वती पूजा संपन्न कराने को लेकर पूर्व में आयोजित किए गए शांति समिति बैठक में थाना अध्यक्ष द्वारा दिए गए निर्देश के बावजूद पूजा संचालक द्वारा 3 फरवरी सोमवार को सरस्वती पूजा स्थल पर डीजे पर अश्लील गाना बजाने मामले में आनंदपुर थाना अध्यक्ष विपिन कुमार द्वारा भैरोगंज बाजार अवस्थित कोचिंग संस्थान में स्थापित सरस्वती पूजा स्थल से डीजे जप्त कर किया गया। इस बाबत थाना अध्यक्ष विपिन कुमार ने बताया कि जप्त से डीजे बॉक्स सरस्वती पूजा विसर्जन के पश्चात डीजे मलिक को सौंप दिया जाएगा। जबकि सरस्वती पूजा को लेकर प्रखंड क्षेत्र में बड़े ही धूमधाम से खासकर गैर शैक्षणिक संस्थान (कोचिंग) मनाया। पूजा को लेकर सोमवार सुबह से ही खासकर कोचिंग संस्थान के बच्चों काफी उत्साह बना रहा वहीं इसके लिए घरों में भी साफ सफाई का दौर जारी रहा छोटे-छोटे बच्चे नए-नए कपड़े पहन कर अपने शैक्षणिक संस्थानों में विद्या के देवी माता सरस्वती की विधिवत पूरे विधि विधान पूर्वक पूजा अर्चना किए। इस मौके पर बच्चों ने अपने पुस्तक और कॉपी कलम आदि की भी मन के चरणों में रखकर पूजा अर्चना किया और माता से उच्च शिक्षा सहित उत्तम व्यवहार आदि का आशीर्वाद मांगा। वहीं सरकारी विद्यालयों में सरस्वती पूजा नहीं होने से सरकारी विद्यालयों सन्नाटा पसरा रहा।

नई पीढ़ी नवीन तकनीक में काफी पारंगत, बुजुर्ग व कई अभिभावक इससे अपरिचित

ब्यूरो रिपोर्ट/दैनिक बिहार पत्रिका

बौंसी/बांका। किसी भी देश व व्यक्ति के विकास में कला, कौशल व हुनर का महत्वपूर्ण स्थान है। मानव संसाधनों के उपयोग से कौशलता में और निखार लाकर सत्त विकास की प्रक्रिया को गतिमान बनाया जा सकता है। कहा जाता है कि हुनर कुशल कार्यबल एक धरोहर है। युवाओं को अपने साथियों के साथ जुड़ने और उनके द्वारा स्वीकार किए जाने की आवश्यकता महसूस होती है। युवा वयस्क नियंत्रण से अधिक स्वतंत्रता के लिए प्रयास कर रहे हैं, व्यवहार की उचित सीमाएँ निर्धारित करें।

सदस्यों को नियमों पर निर्णय लेने और स्थापित सीमाओं के भीतर रहने में मदद करने दें। इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों पर बहुत अधिक समय बिताने से युवा लोगों को अपने साथियों के साथ व्यक्तिगत गतिविधियों जैसे खेल या अन्य शारीरिक गतिविधियों से रोका जा सकता है, जो अवसाद को दूर करने में मदद कर सकते हैं। युवा लोग तेजी से उत्पादक रोजगार के अवसरों और कैरियर पथों की तलाश कर रहे हैं जो उनकी आकांक्षाओं को प्रतिबिंबित करते हैं। आज युवाओं के लिए, जीवन में सबसे महत्वपूर्ण पहलू एक स्थिर आय होना और इससे मिलने वाली आर्थिक स्वतंत्रता का आनंद लेना है। भविष्य और समाज के विकास में युवाओं की क्या भूमिका है? युवा राष्ट्र को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिम्मेदार युवाओं वाला समाज एक शक्तिशाली राष्ट्र का निर्माण करेगा। उनकी भूमिकाएँ उनकी शिक्षा से शुरू होती हैं और मानवता की भलाई के लिए अपने पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी को अनुकूलित करती हैं। युवा को यह सदा स्मरण रखना चाहिए कि वह बहुत कम बातें जानता है, अपने ही आदर्श से वह बहुत नीचे है और उसकी आकांक्षाएँ उसकी योग्यता से कहीं बढ़ी हुई हैं। उसे इस बात का ध्यान रखना है कि वह अपने बड़ों का सम्मान करें, छोटों और बराबर वालों से कोमलता का व्यवहार करें। वहीँ दूसरी ओर इंटरनेट मीडिया आम जनजीवन का एक अभिन्न अंग बन चुका है। वर्तमान समय में जरूरत है कि हम सब मिलकर डिजिटल युग में काम करें। हम अपने संवाद, तर्क, भावनाएं व विचारों को प्रत्यक्ष मेलजोल के बजाय डिजिटल मीडिया के माध्यम से व्यक्त करते हैं जिससे सामाजिक संबंधों की डोर टूटने लगती है। हम वर्चुअल दुनिया को समेटकर वास्तविक घरातल पर आएं और अपने अभिभावकों व बुजुर्ग सदस्यों के साथ तकनीकी ज्ञान को साझा करने की पहल करें। इससे अभिभावकों के अनुभव व तकनीकी ज्ञान से किशोर व युवा गलत दिशा में जाने से बचेंगे। स्कूल में छठवीं कक्षा से ऊपर के विद्यार्थियों व युवाओं की प्राथमिकता होनी चाहिए कि वो घर के हर सदस्य को तकनीकी ज्ञान से अवगत कराते रहें। बच्चे खुद मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर में व्यस्त रहते हैं और अभिभावक उन पर नाराज रहते हैं। ऐसे में प्रयास यह होना चाहिए कि अभिभावकों को इंटरनेट मीडिया में उपयोगी सोशल प्लेटफॉर्म व साइबर धोखाधड़ी के बारे में बताते रहें। यदि हम वास्तविक और डिजिटल व्यवहार में शिष्टाचार का समावेश रखेंगे तो ये हमारी सकारात्मक छवि निर्माण के साथ समाजोत्थान के लिए भी सहायक होगा। समाज से निरंतर जुड़े रहने के लिए आधुनिक तकनीक का जीवन में समावेश अनिवार्य है। नई पीढ़ी नवीन तकनीक में काफी पारंगत है लेकिन बुजुर्ग व कई अभिभावक इससे अपरिचित हैं। आधुनिक तकनीक के कारण कृषि, शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य आदि क्षेत्रों में अत्यंत विकास हुआ है। समाज में हर व्यक्ति को चाहिए कि वह तकनीकी ज्ञान से अवगत हो। तकनीकी सुविधाओं का लाभ उठाएं।

अयोध्या में युवती की हत्या के मामले में तीन आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या । अयोध्या में दलित युवती की हत्या के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने हत्याकांड का खुलासा कर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने खुलासा करते हुए बताया कि हरी राम कोरी, विजय साहू व दिग्विजय सिंह को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि युवती की हत्या तीनों आरोपियों ने शराब के नशे में की थी। गांव के ही एक स्कूल में हत्या हुई थी। हत्या कर नाले के पास शव फेंक दिया था। पुलिस तीनों आरोपियों को रिमांड पर लेगी। बता दें कि अयोध्या में एक युवती का नग्न अवस्था में शव मिला था। घटना सहनवा गांव की थी। जहां हैवानों ने दलित युवती के साथ दरिंदगी की। 30 जनवरी की रात 22 साल की युवती भागवत देखने गई थी। जहां रात करीब 11 बजे तक युवती घर नहीं आई। परिजनों ने जब खोज की लेकिन उसका पता नहीं चल सका। शनिवार सुबह नाले के पास युवती का अर्धनग्न हाल में शव मिला। वहीं, पास में खून से लथपथ कपड़े मिले। युवती की बेरहमी से हत्या की गई थी। उसका हाथ-पैर टूटा हुआ था। साथ ही आंखे भी फोड़ दी गई थीं। इस हत्याकांड पर अयोध्या से सपा सांसद अवधेश प्रसाद ने एक प्रेसवार्ता की थी। जिसमें वे फफक-फफक कर रोए। काफी देर तक सांसद रोते रहे। उन्होंने न्याय न मिलने पर लोकसभा से इस्तीफा देने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा कि मामले को सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समक्ष रखूंगा और न्याय न मिलने पर इस्तीफा दे दूंगा। उन्होंने कहा कि देश की बहुचर्चित निर्भया कांड से भी बेदर्दी से बेटी की हत्या की गई है। सांसद ने कहा कि दलित बेटी के साथ अत्याचार की पराकाष्ठा पार कर दी गई है। घटना को बयां करते हुए शर्म आ रही है।

रैगिंग : टॉयलेट सीट चटवाई और फ्लश चलाकर डुबोया सिर, छात्र ने दे दी जान

कोच्चि। केरल में एक स्कूली छात्र रैगिंग का शिकार हो गया। आरोप है कि सीनियर छात्रों ने टॉयलेट सीट चटवाई और फ्लश चलाकर सिर डुबोया। इससे आहत हुए छात्र ने 26वीं मंजिल से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। ये दावा मृतक 14 वर्षीय मिहिर अहमद की मां ने किया है। छात्र की मां का कहना है कि उनके बेटे से टॉइलट सीट को चटवाया, फ्लश ऑन करके सिर अंदर धकेला। शिकायत पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। इस मामले में विशेष जांच टीम (एसआईटी) जांच कर रही है। मिहिर ने 15 जनवरी को आत्महत्या कर ली थी। आरोप है कि छात्र रैगिंग के बाद वह तनाव में था। सीएमओ और राज्य पुलिस प्रमुख को दी गई अपनी शिकायत में, मिहिर की मां राजना पीएम ने गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने बताया कि उनका बेटा मिहिर कक्षा 9 का छात्र था। उसने नवंबर 2024 में जीईएमएस मॉडर्न एकेडमी में दाखिला लिया था। उसके साथ स्कूल और स्कूल बस में बदसलूकी की गई। कथित तौर पर उसके साथ मारपीट की गई, उसे जबरन वॉशरूम ले जाया गया और उसके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया।

सांसद मनोज भारती के प्रतिनिधि ने विधायक संगीता देवी को चरित्रहीन कह दिया

सासाराम । कैमूर जिले के कुदरा में सासाराम सांसद मनोज भारती पर हुए हमले के बाद बिहार की राजनीति शुरु हो गई है। हमले के बाद विपक्षी दल सरकार पर निशाना साध रहे हैं। साथ ही, स्थानीय लोग और बीजेपी नेता भी सांसद भारती पर कई गंभीर आरोप लगा रहे हैं।मामले में एक नया मोड़ तब आया जब सांसद प्रतिनिधि हीराराम ने मोहनिया विधायक संगीता देवी पर अपमानजनक टिप्पणी की। जिससे मामला और भी पेचीदा हो गया है। हीराराम ने प्रेसवार्ता में मोहनिया विधायक संगीता को चरित्रहीन तक कह दिया। उन्होंने बीजेपी पर आरोप लगाया कि वे मामले को जरूरत से ज्यादा तूल दे रही है। उन्होंने कहा कि यह एक स्थानीय विवाद है, इस बीजेपी जातिगत रंग दे रही है। हीराराम ने बताया कि सांसद भारती ने संगीता को चुनाव जिताने में बहुत मेहनत की थी। वे दोनों साथ खाना भी खाते थे। लेकिन आज वहीं संगीता देवी, सांसद पर धर्मांतरण जैसे गंभीर आरोप लगा रही हैं। हीराराम ने कहा, उन्हें शर्म आनी चाहिए। हीराराम ने संगीता देवी पर व्यक्तिगत हमला किया। उन्होंने कहा कि संगीता देवी के पिता, जो एक राष्ट्रीय स्तर के कवि और साहित्यकार हैं, उनकी चरित्रहीनता से तीन साल तक नाराज रहे। हीराराम ने कहा कि संगीता देवी के व्यवहार से उनके पिता भी शर्मिंदा थे। हालाँकि, बाद में हीराराम ने माना कि उन्हें इस तरह की बातें नहीं कहनी चाहिए थीं। लेकिन संगीता देवी के बयानों के कारण उन्हें ऐसा कहना पड़ा।

मणिपुर हिंसा में सीएम बीरेन के कथित लीक ऑडियो टेप मामले की हुई सुनवाई

-सीएम पर हिंसा भड़काने का है आरोप, सुप्रीम कोर्ट ने मांगी फोरेंसिक रिपोर्ट

नई दिल्ली। मणिपुर हिंसा मामले पर सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को सुनवाई हुई। कोर्ट ने मणिपुर सीएम एन बीरेन सिंह के कथित लीक ऑडियो टेप पर सीएफएसएल से सरकारी फोरेंसिक लैब रिपोर्ट मांगी है। बता दें कि सीएम बीरेन सिंह पर कुकी जनजाति के एक याचिकाकर्ता ने मणिपुर हिंसा भड़काने का आरोप लगाया है। कथित तौर पर ऑडियो में मणिपुर सीएम बीरेन सिंह के बयानों को रिकॉर्ड किया गया था, जिसमें राज्य की जातीय हिंसा में उनकी संलिप्तता का संकेत दिया था। सीएफएसएल रिपोर्ट को सीलबंद लिफाफे में पेश किया जाना है। भारत के चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने कुकी ऑर्गनाइजेशन फॉर ह्यूमन राइट्स ट्रस्ट द्वारा दायर एक रिट याचिका पर यह आदेश दिया, जिसमें ऑडियो टेप की स्वतंत्र जांच की मांग की गई थी। मामले की अगली सुनवाई 24 मार्च तक के लिए टाल दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई की शुरुआत में न्यायमूर्ति पीवी संजय कुमार ने पूछा कि क्या उन्हें सुनवाई से अलग हो जाना चाहिए, क्योंकि मणिपुर के सीएम द्वारा आयोजित रात्रिभोज में वे शामिल हुए थे, जब उन्हें सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। इसके जवाब में याचिकाकर्ता के वकील प्रशांत भूषण ने कहा कि न्यायमूर्ति कुमार को खुद को अलग करने की जरुरी नहीं है।

कर्नाटक में सीएम की कुर्सी को लेकर खींचतान, डीके ने खेला खेल

-सरकार और पार्टी में महत्व नहीं मिलने से सीएम के करीबी ने दिया इस्तीफा

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष डीके शिवकुमार ने बड़ा खेल कर दिया है। अब सवाल उठने लगे हैं कि सीएम सिद्दारमैया कितने दिनों तक सीएम की कुर्सी पर रह पाएंगे? पूरे देश में कांग्रेस की मात्र तीन राज्यों में सरकार है। उसमें सबसे बड़ा कर्नाटक है यहां 2023 के विधानसभा चुनाव में जीत के बाद से ही सीएम की कुर्सी को लेकर झगड़ा चल रहा है।

सीएम सिद्दारमैया और डीके शिवकुमार के बीच लड़ाई किसी से छिपी नहीं है। केंद्रीय नेतृत्व के हस्तक्षेप के बाद राज्य में सत्ता के बंटवारे का फॉर्मूला तय हुआ था। डीके शिवकुमार खेमा दावा करता है कि ढाई-ढाई साल के रोटेशनल सीएम का फॉर्मूला तय किया गया था। इस कारण बीते कुछ दिनों से डीके शिवकुमार खेमा बार-बार सीएम की कुर्सी पर अपना दावा कर रहा है।

इस बीच सीएम सिद्दारमैया के राजनीतिक सलाहकार और वरिष्ठ नेता बीआर पाटिल ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इससे राज्य कांग्रेस के बीच जारी तकरार फिर सामने आई है। पाटिल को सीएम सिद्दारमैया खेमा का नेता माना जाता है। वह उनके खास करीबी हैं, लेकिन राज्य में कांग्रेस के कई खेमों में बंटे होने की वजह से उनके लिए कैबिनेट में जगह नहीं बन सकी है। पिछले माह ही सिद्दारमैया खेमे के नेताओं ने एक डिनर पार्टी रखी थी। इसके बाद यह ताजा राजनीतिक संकट पैदा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों का दावा है कि पाटिल का इस्तीफा सीधे तौर पर सिद्दारमैया और डीके शिवकुमार के बीच टकराव का नतीजा नहीं है। पाटिल कलाबुरगी जिले के अलांद से चार बार के विधायक हैं। उन्होंने सरकार और पार्टी में उचित महत्व नहीं मिलने के कारण इस्तीफा दिया है। इस क्षेत्र में डीके का कुछ खास प्रभाव नहीं है। कलाबुरगी कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे का क्षेत्र है। यहीं से खड़गे के बेटे प्रियांक खड़गे उनकी राजनीतिक विरासत संभाल रहे हैं, लेकिन पाटिल और प्रियांग खड़गे का रिश्ते अच्छे नहीं है। यही कारण है कि एक वरिष्ठ नेता होने के बावजूद सिद्दारमैया सरकार में पाटिल को जगह नहीं मिली है।

सूत्रों का कहना है कि पाटिल सरकार और प्रशासन में अपनी सीमित भूमिका की वजह से नाखुश थे। सीएम सिद्दारमैया भी उनके कोई खास राजनीतिक सलाह मशविरा नहीं कर रहे थे। अब पाटिल के इस्तीफे के बाद कर्नाटक कांग्रेस में तकरार सामने आ गई है। ऐसे में देखना होगा कि पहले ही तकरार और खेमाबंदी की शिकार पार्टी आगे क्या फैसला लेती है।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- कोई भी कानून बनाना और उसे खत्म करना संसद का काम

-दहेज उत्पीड़न कानून खत्म करने की याचिका कोर्ट ने दो मिनट में की खारिज

नई दिल्ली । महिलाओं को उत्पीड़न से बचाने वाला कानून कई बार पुरुषों के उत्पीड़न की वजह बन जाता है। इस कानून के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सोमवार को एक जनहित याचिका दायर की गई, जिसे कोर्ट ने दो मिनट में ही खारिज कर दिया। इस अर्जी में दहेज उत्पीड़न कानून के कुछ प्रावधानों की संवैधानिकता पर सवाल उठाए गए थे। इस पर जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस केवी चंद्रन की युगलपीठ ने कहा कि आप इस मामले में संसद के पास जाएं। कोई भी कानून बनाना और उसे खत्म करना संसद का काम है। इस याचिका को दाखिल करने वाले रूपसी सिंह ने कहा कि एक्ट के सेक्शन 2,3 और 4 को खत्म करना चाहिए। इस ऐक्ट का सेक्शन 2 दहेज की परिभाषा बताता है। सेक्शन 3 कैसे दहेज लेने और देने के मामलों में सजा दी जा सकती है और यह क्या हो सकती है। वहीं सेक्शन 4 में दहेज की मांग पर सजा की बात कही गई है। याचिकाकर्ता ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि इस कानून के कुछ प्रावधान अवैध हैं और उन्हें खत्म किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जनता की भावना है, जिसे उठाते हुए मैंने अर्जी दाखिल की है। कोर्ट इन दलीलों से सहमत नहीं हुई और 2 मिनट में अर्जी पर सुनवाई से इनकार कर दिया। पीठ ने कहा कि याचिका डिसमिस है। आप संसद से यह बात करें। बता दें बेंगलुरु में रहने वाले इंजीनियर अतुल सुभाष ने घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के मुकदमे से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। उन्होंने अपनी खुदकुशी से पहले एक वीडियो शेयर किया था, जिसमें उन्होंने दहेज उत्पीड़न कानून पर सवाल उठाए थे। उनका कहना था कि आखिर मेरी इतनी सैलरी है तो मैं क्यों दहेज लूंगा। इसके अलावा भी कई ऐसे मामले हैं, जिन्हें लेकर सवाल उठाए गए हैं।

भारत लाखों अवैध प्रवासियों को नहीं रख सकता : उपराष्ट्रपति

नई दिल्ली (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि देश में लाखों की संख्या में अवैध प्रवासी नहीं रह सकते। इसके साथ उन्होंने युवाओं से राष्ट्र विरोधी बयानों को समाप्त करने की अपील की। राज्यसभा के सभापति धनखड़ ने संसद में बार-बार होने वाले व्यवधान पर भी चिंता जाहिर की। एक कार्यक्रम में धनखड़ ने कहा कि युवाओं को अस्तित्व संबंधी चुनौतियों के बारे में चिंतित होना चाहिए।

उन्होंने कहा, हमारे देश में लाखों अवैध प्रवासी नहीं रह सकते... हम अपनी चुनावी राजनीति को जनसांख्यिकीय अव्यवस्थाओं से प्रभावित नहीं होने दे सकते। ये चीजें आपके लिए मायने रखती हैं क्योंकि ये ऐसी चुनौतियां हैं जिनका आपको सामूहिक रूप से जवाब देना होगा। उपराष्ट्रपति ने इस पर चिंता जाहिर कि कुछ लोग और संस्थाएं देश की विकास यात्रा से खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा कि देश में सनसनी फैलाने और कहानी गढ़ने चलन चल रहा है।

उन्होंने कहा, ''कहानियों में भारतीयता को भूल जाते हैं, राष्ट्रवाद को भूल जाते हैं और राष्ट्रहित को भी भुलाया जाता है। सभापति धनखड़ ने युवाओं से अपील कर कहा कि इन राष्ट्र-विरोधी कहानियों को समाप्त करने तथा भारत विरोधी ताकतों को हराने की शक्ति उनके हाथ में है। 'इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया' (आईसीएआई) द्वारा आयोजित सम्मेलन में उपराष्ट्रपति ने इस बात पर जोर दिया कि आर्थिक राष्ट्रवाद की भावना को आत्मसात करने की आवश्यकता है क्योंकि ऐसा दृष्टिकोण अर्थव्यवस्था के लिए लाभकारी होगा।

वक्फ संशोधन बिल पर औवेसी का चौंकाने वाला खुलासा, मेरी जानकारी के बिना मेरे असहमति नोट के कुछ हिस्से हटाए

नई दिल्ली (एजेंसी)। बजट पेश होने के साथ ही संसद की कार्यवाही फिर से शुरू हो गई। हालांकि, सुबह 11 बजे संसद की कार्यवाही शुरू होने पर विपक्ष ने महाकुंभ भगदड़ पर चर्चा की मांग उठा दी। इस मांग को लेकर जमकर हंगामा देखने को मिला। इस बीच राज्यसभा से विपक्ष ने वॉकआउट किया। ऐसी चर्चा है कि लोकसभा में वक्फ (संशोधन) विधेयक पर संयुक्त संसदीय समिति की रिपोर्ट पेश होगी। इसके पहले वक्फ संशोधन बिल को लेकर एआईएमआईएम चीफ और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने चौंकाने वाला दावा किया है। उन्होंने कहा कि वक्फ बिल पर मेरे असहमति नोट के कुछ हिस्से बिना मेरी जानकारी के हटाए गए।

ओवैसी ने पोस्ट में दावा किया कि उनके असहमति नोट के कुछ हिस्से हटाए गए हैं। उन्होंने कहा कि मैंने वक्फ विधेयक के खिलाफ जेपीसी को एक विस्तृत असहमति नोट सौंपा था। यह चौंकाने वाली बात है कि मेरे नोट के कुछ हिस्सों को मेरी जानकारी के बिना हटा दिए गए। हटाए गए अनुभाग विवादास्पद नहीं थे, उन्होंने केवल तथ्य बताए थे।

दरअसल, कांग्रेस, टीएमसी, डीएमके, शिवसेना (यूबीटी) और एआईएमआईएम के विपक्षी सदस्यों की ओर से असहमति नोट पेश हुए थे। इसमें विधेयक को मुस्लिम समुदाय के संवैधानिक अधिकारों पर हमला बताया गया। ओवैसी ने दावा किया कि उनके असहमति नोट के कुछ हिस्सों को हटाया गया। यह चौंकाने वाला है कि मेरे नोट के कुछ हिस्सों को मेरी जानकारी के बिना हटाया गया। हटाए गए हिस्से किसी भी तरह से विवादित नहीं थे, उसमें केवल मेरे द्वारा फैक्ट बताए गए थे।

जेपीसी अध्यक्ष जगदंबिका पाल और पैनल के सदस्य संजय जायसवाल की ओर से लोकसभा में पैनल के समक्ष रिपोर्ट और साक्ष्यों का रिकॉर्ड पेश करने की संभावना है। संसद की कार्यवाही सोमवार को जैसे शुरू हुई, जमकर हंगामा देखने को मिला। वहीं वक्फ विधेयक पर जेपीसी की पूरी चर्चा प्रक्रिया के दौरान बीजेपी और विपक्षी सदस्यों के बीच झड़प के मामले सामने आए।

विपक्ष का मानना है कि वक्फ संशोधन बिल के द्वारा वक्फ बोर्ड की शक्तियों को कम करने और सरकार का नियंत्रण बढ़ाने की कोशिश हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इससे मुस्लिम समुदाय की धार्मिक आजादी पर असर पड़ेगा। वक्फ बोर्ड मुस्लिम समुदाय की धार्मिक संपत्तियों का प्रबंधन करता है। इस बिल से वक्फ संपत्तियों के इस्तेमाल और उनके प्रबंधन में बदलाव हो सकते हैं। इससे मुस्लिम समुदाय में चिंता है।

वहीं मोदी सरकार का कहना है कि इस बिल से वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन होगा। इससे इन संपत्तियों का इस्तेमाल सामुदायिक विकास में हो सकेगा। लेकिन विपक्ष को सरकार की इस दलील पर यकीन नहीं है। इसलिए संसद में इस बिल पर जबरदस्त बहस होने की उम्मीद है।

तेलंगाना में लगभग आधी आबादी पिछड़े वर्ग की, जातिगत सर्वे में हुआ खुलासा

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में हुए जातिगत सर्वेक्षण में बड़ा खुलासा हुआ है। यहां की लगभग आधी आबादी अन्य पिछड़ा वर्ग की है। सर्वेक्षण करने वाले राज्य योजना विभाग ने रविवार को राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति को अपनी रिपोर्ट सौंप दी।

यहां मुस्लिम अल्पसंख्यकों को छोड़कर अन्य पिछड़े वर्ग की आबादी 46.25 प्रतिशत है जो राज्य की कुल 3.70 करोड़ जनसंख्या का सबसे बड़ा हिस्सा है। राज्य में जातिगत आधार पर कराए गए सर्वेक्षण से यह जानकारी मिली है। जनसंख्या के प्रतिशत के संदर्भ में पिछड़ी जातियों के बाद एससी 17.43 प्रतिशत, एसटी 10.45 प्रतिशत, मुसलमानों में पिछड़े वर्ग 10.08 प्रतिशत, अन्य जातियां 13.31प्रतिशत और मुसलमानों में पिछड़ी जातियां 2.48 प्रतिशत हैं।

सर्वेक्षण करने वाले राज्य योजना विभाग ने रविवार को राज्य नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट उप-समिति को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। मंत्री ने कहा कि रिपोर्ट 4 फरवरी को राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष पेश की जाएगी। उसी दिन इसे बहस के लिए तेलंगाना विधानसभा के विशेष सत्र में रखा जाएगा।सिंचाई और नागरिक आपूर्ति मंत्री एन उत्तम कुमार रेड्डी सामाजिक-आर्थिक, रोजगार, राजनीतिक और जातिगत सर्वेक्षण पर कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष हैं। उन्होंने सर्वेक्षण का विवरण देते हुए कहा कि रिपोर्ट पर चर्चा के लिए मंगलवार को एक विशेष विधानसभा सत्र आयोजित किया जाएगा।

मंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण में 1.12 करोड़ घरों के 3,54,77,554 (3.5 करोड़) लोगों ने भाग लिया। लगभग 3.1 प्रतिशत आबादी ने विभिन्न कारणों से सर्वेक्षण में भाग नहीं लिया और सर्वेक्षण संकलन में उन्हें शामिल नहीं किया गया। पिछड़ी जातियों के बाद, अनुसूचित जाति (एससी) की आबादी 17.43 प्रतिशत (61.84 लाख) के साथ दूसरा सबसे बड़ा समूह है, उसके बाद अनुसूचित जनजाति (एसटी) की आबादी 10.45 प्रतिशत (37.59 लाख) है। अगड़ी जातियां (अल्पसंख्यकों में अगड़ी जातियों को छोड़कर) 13.31 प्रतिशत हैं। अन्य जातियों (ओसी) की कुल आबादी 15.79 प्रतिशत है, जिसमें अल्पसंख्यक समुदाय से 2.38 प्रतिशत ओसी आबादी (8.8 लाख) शामिल है, जिससे कुल ओसी आबादी 56.01 लाख हो जाती है। नियोजन विभाग द्वारा जाति सर्वेक्षण की प्रारंभिक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद, रेड्डी ने कहा, यह देश में हुआ एक अभूतपूर्व और सटीक सर्वेक्षण है।

जम्मू-कश्मीर में कैंसर को लेकर सतर्क हुए नागरिक, प्रथम स्टेज पर ही इलाज करवाने आ रहे

जम्मू (एजेंसी)। कैंसर की जांच को लेकर विशेषज्ञ और स्वास्थ्य सुविधाएं बढ़ने के साथ मरीजों की संख्या में बढ़ोत्तरी हो रही है। अब प्रथम स्टेज पर ही अस्पताल में इलाज करवाने के लिए आने वाले मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। जम्मू-कश्मीर में हर वर्ष औसतन 12 से 13 हजार कैंसर के नए मरीज आ रहे हैं। इसमें 20 प्रतिशत वे हैं जो अब पहली ही स्टेज पर इलाज के लिए अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार जम्मू-कश्मीर में वर्ष 2019 में 12,396 मरीज आए थे। इसके बाद वर्ष 2020 में 12,726, वर्ष 2021 में 13,060, वर्ष 2022 में 13,395 मरीज आए। वर्ष 2023 और वर्ष 2024 में भी 13-13 हजार से अधिक मरीजों ने इलाज के लिए विभिन्न अस्पतालों में अपना पंजीकरण करवाया। वर्ष 2024 में शेर-ए-कश्मीर इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सांइसेस में 5200, जीएमसी जम्मू में करीब 1700, जीएमसी अनतंनाग में 500, जीएमसी बारामुला में 100, जीएमसी कठुआ में 80 मरीजों ने पंजीकरण करवाया। अमेरिकन आनकालोजी जम्मू में भी दो हजार के करीब मरीज इलाज के लिए आए। आंकड़ों के अनुसार पुरुषों में हेड और नेक, फेफड़ों के कैंसर के सबसे अधिक मामले आ रहे हैं। वहीं महिलाओं में स्तन और सर्विकल कैंसर के मामले प्रमुख हैं। कैंसर के प्रमुख कारणों में अधिक वजन होना, सिगरेट, शराब व अन्य तंबाकू पदार्थों का सेवन होना, अस्वस्थ आहार खाना हैं। पर्यावरणीय कारण भी कैंसर के लिए जिम्मेदार हैं।

पहले सिर्फ जीएमसी जम्मू, श्रीनगर और स्किम्स में इलाज की सुविधा थी लेकिन अब राजौरी, कठुआ, डोडा, उधमपुर, बारामुला, अनतंनाग और हंदवाड़ा में भी मेडिकल कॉलेज खुले हैं। इन कॉलेजों में न सिर्फ कैंसर विशेषज्ञ हैं, बल्कि ईएनटी, सर्जरी, गैस्ट्रो, स्त्री रोग विशेषज्ञ भी हैं।

संदेह होने पर यह मरीजों की जांच करवाते हैं और समय पर मरीज अस्पतालों में इलाज के लिए आना शुरू हो गए हैं। 20 प्रतिशत के करीब मरीज पहली स्टेज पर ही इलाज करवाने के लिए आ रहे हैं। आनकॉलोजी विभाग के प्रमुख डॉ.जावेद मुजमिल के मुताबिक हर वर्ष उनके विभाग में एक हजार से अधिक नए मरीज आते हैं। कश्मीर में शीर्ष पांच सबसे प्रचलित कैंसर गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर, फेफड़े का कैंसर, स्तन कैंसर, कोलन कैंसर और ओवरी कैंसर हैं।

उन्होंने कहा कि कश्मीर में अधिक नमकीन और तले खाद्य पदार्थ खाते हैं जो गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल कैंसर के लिए प्रमुख जोखिम कारण हैं। पुरुषों और महिलाओं दोनों में अत्यधिक धूम्रपान फेफड़ों के कैंसर का प्रमुख कारण है। वहीं कैंसर संस्थान जम्मू के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. दीपक कुमार का कहना है कि बीते वर्ष इंडोर विभाग में कुल 5964 मरीज इलाज के लिए आए।

हर महीने औसतन चार से पांच सौ मरीज आए। 4928 कीमोथैरेपी हुई।

कौन हैं बिहार में शराबबंदी लाने वाले पहले व्यक्ति जिनकी जयंती पर पहुंच रहे राहुल गांधी

पटना (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी 5 फरवरी को बिहार पहुंच रहे हैं। वे पटना में दिवंगत नेता जगलाल चौधरी की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने वाले है। यह राहुल गांधी का 18 दिनों में दूसरा बिहार दौरा होगा। इससे पहले 18 जनवरी को वे पटना आए थे और संविधान सुरक्षा सम्मेलन में हिस्सा लिया था। उस दौरान उन्होंने लालू यादव और उनके परिवार से भी मुलाकात की थी। इस दौरान वे 2025 के विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर भी चर्चा होगी। कांग्रेस दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों पर ध्यान केंद्रित कर रही है।

कांग्रेस पार्टी बिहार विधानसभा चुनाव के लिए अपनी रणनीति तैयार कर रही है। पार्टी दलित और पिछड़े वर्ग के वोटरों को लुभाने पर जोर दे रही है। पिछले दिनों पटना में राहुल गांधी के नेतृत्व में संविधान सुरक्षा सम्मेलन का आयोजन हुआ था। इस सम्मेलन में राज्य भर से दलित, आदिवासी, अल्पसंख्यक और पिछड़े वर्ग के लोग शामिल हुए थे। अब पार्टी दलित नेता चौधरी की जयंती पर बड़ा आयोजन करने जा रही है। इससे साफ है कि कांग्रेस दलित वोट बैंक को साधने की कोशिश में है।

दरअसल चौधरी सारण जिले के निवासी थे। उनका जन्म 5 फरवरी 1895 को हुआ था। वे एक स्वतंत्रता सेनानी और दलित चिंतक थे। महात्मा गांधी से प्रेरित होकर पढ़ाई छोड़कर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हो गए। इस दौरान उन्हें जेल भी जाना पड़ा। वे बिहार कांग्रेस कमिटी के सदस्य भी रहे और बिहार सरकार में मंत्री भी बने। 9 मई 1975 को उनका निधन हो गया। कांग्रेस उनके योगदान को याद करते हुए उनकी जयंती पर कार्यक्रम आयोजित कर रही है।

पटना के श्रीकृष्ण मेमोरियल हॉल में चौधरी की जयंती पर कांग्रेस कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस कार्यक्रम में बिहार कांग्रेस के सभी बड़े नेता मौजूद रहने वाले है। इस कार्यक्रम में राहुल गांधी के भाषण पर सबकी निगाहें होंगी। उनके भाषण से कांग्रेस की चुनावी रणनीति के बारे में और जानकारी मिल सकती है। ये दौरा 2025 के विधानसभा चुनाव के लिए काफी अहम माना जा रहा है।

बात दें कि बिहार में शराबबंदी की कोशिश करने वाले जगलाल चौधरी पहले व्यक्ति थे। उन्होंने 20 जुलाई 1937 को आबकारी और लोक स्वास्थ्य मंत्री का पद संभाला। उनका कार्यकाल छोटा था, लेकिन उन्होंने महत्वपूर्ण फैसले लेकर सुर्खियों में रहे। 6 अप्रैल 1938 को उन्होंने सारण, मुजफ्फरपुर, हजारीबाग, धनबाद और रांची में शराबबंदी लागू कर दी। जगलाल चौधरी संयुक्त

बिहार में शराबबंदी लाने वाले पहले व्यक्ति थे। उनका कार्यकाल छोटा पर यादगार रहा। 6 अप्रैल 1938 को उन्होंने कुछ जिलों में शराबबंदी लागू की। यह एक बड़ा कदम था। उनके इस कदम को लोग आज भी याद करते हैं।

जागरूकता से ही होगा कैंसर रोग पर नियंत्रण

विश्व कैंसर दिवस

रमेश सर्राफ धमोरा

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है।

कैंसर बीमारियों का एक जटिल समूह है जिसकी विशेषता असामान्य कोशिकाओं की अनियंत्रित वृद्धि और प्रसार है । इसमें 100 से अधिक विभिन्न रोग शामिल हैं जो शरीर के विभिन्न अंगों को प्रभावित करते है। ये कोशिकाएं ट्यूमर नामक द्रव्यमान का निर्माण कर सकती हैं। जो शरीर के सामान्य कामकाज में हस्तक्षेप कर सकती हैं। जबकि कैंसर किसी को भी प्रभावित कर सकता है। इन्हें कार्सिनोमा, सारकोमा, ल्यूकेमिया और लिम्फोमा जैसे प्रकारों में वगीर्कृत किया जाता है। इसके कारणों में आनुवंशिक, पर्यावरणीय और जीवनशैली कारक शामिल हैं, जिनमें अस्पष्टीकृत वजन घटाने से लेकर लगातार थकान तक के लक्षण शामिल हैं। कैंसर की रोकथाम में जीवनशैली में बदलाव जैसे कि तंबाकू से परहेज, स्वस्थ आहार और टीकाकरण शामिल हैं। प्रभावी प्रबंधन और शुरूआती पहचान के लिए जागरूकता और ज्ञान महत्वपूर्ण है।

कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने और इसकी रोकथाम, पहचान और उपचार को प्रोत्साहित करने के लिए 4 फरवरी को विश्व कैंसर दिवस मनाया जाता है। विश्व कैंसर दिवस का जन्म 4 फरवरी 2000 को पेरिस में न्यू मिलेनियम के लिए कैंसर के खिलाफ विश्व शिखर सम्मेलन में हुआ था। विश्व कैंसर दिवस का प्राथमिक लक्ष्य कैंसर और बीमारी के कारण होने वाली मौतों को कम करना है। 1933 में अंतर्राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण संघ ने स्विट्जरलैंड में जिनेवा में पहली बार विश्व कैंसर दिवस मनाया था।

कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसका नाम सुनते ही घबराहट होने लगती है। कैंसर से पीड़ित व्यक्ति बीमारी से अधिक तो कैंसर के नाम से डर जाता है। जिस व्यक्ति को कैंसर होता है वह तो गंभीर यातना से गुजरता ही है उसके साथ ही उसका परिवार को भी बहुत कष्टमय स्थिति में गुजरना पड़ता है। जानलेवा होने के साथ ही कैंसर की बीमारी में मरीज को बहुत अधिक शारीरिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। कैंसर की बीमारी इतनी भयावह होती है जिसमें मरीज की मौत सुनिश्चित मानी जाती है। बीमारी की पीड़ा व मौत के डर से मैरिज घुट-घुट कर मरता है। इस दिन कैंसर के बारे में जागरूकता बढ़ाने, लोगों को शिक्षित करने, इस रोग के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए दुनिया भर में सरकारों और व्यक्तियों को समझाने तथा हर साल लाखों लोगों को मरने से बचाने के लिए मनाया जाता है।

नई दिल्ली स्थित भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने कहा है कि देश के अधिकांश क्षेत्रों में कैंसर की सही निगरानी नहीं हो पा रही है। जिस कारण अधिकांश मामलों में बीमारी का देरी से पता चल रहा है। देश के सभी शोध केंद्रों को पत्र लिख आईसीएमआर ने

कैंसर की जांच और निगरानी को आसान बनाने के लिए प्रस्ताव मांगे हैं। देश के सभी जिलों में कैंसर निगरानी और जांच को बढ़ावा देने के लिए केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य अनुसंधान के तहत नई नीति बनाने के लिए आईसीएमआर को जिम्मेदारी सौंपी है। इसके लिए अलग-अलग शोध टीमें गठित होंगी और भौगोलिक व स्वास्थ्य सेवाओं की मौजूदा स्थिति के आधार पर वैज्ञानिक तथ्य एकत्रित किए जाएंगे।

दुनिया भर में हर साल एक करोड़ से अधिक लोग कैंसर की बीमारी से दम तोड़ते हैं। जिनमें से 40 लाख लोग समय से पहले (30-69 वर्ष आयु वर्ग) मर जाते हैं। इसलिए समय की मांग है कि इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के साथ कैंसर से निपटने की व्यावहारिक रणनीति विकसित करनी चाहिये। 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों के बढ़कर प्रति वर्ष एक करोड़ से अधिक होने का अनुमान है। यदि विश्व स्वास्थ्य संगठन के 2025 तक कैंसर के कारण समय से पहले होने वाली मौतों में 25 प्रतिशत कमी के लक्ष्य को हासिल किया जाए तो हर साल 15 लाख जीवन बचाए जा सकते हैं।

अमेरिका और चीन के बाद दुनिया में सबसे ज्यादा कैंसर मरीज भारत में है। 2020 में 1.93 करोड़ नए कैंसर मरीज सामने आए हैं। जिनमें 14 लाख से अधिक भारतीय हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय कैंसर रजिस्ट्री कार्यक्रम के अनुसार देश में कैंसर के मामलों की संख्या 2022 में 14.6 लाख से बढ़कर 2025 में 15.7 लाख होने का अनुमान है। जिसके लिए सरकार को चिकित्सा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की जरूरत है। तभी समय पर कैंसर मरीजों की जांच से पहचान कर सही उपचार कर देकर उनकी जान बचाई जा सकती है।

भारत में कैंसर के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की नैशनल कैंसर रजिस्ट्री के आंकड़ें बताते हैं कि देश में 2023 में कैंसर के मामले 15 लाख तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा ऐसे हजारों केस भी होंगे जिनका आंकड़ा नहीं मिल पाता होगा। भारत में कैंसर के मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही हैं। 2040 तक भारत में कैंसर के मामले 2020 की तुलना में 57.5% बढ़कर 20लाख 80हजार हो जाएंगे। (आईसीएमआर) के मुताबिक भारत में हर साल 1.3 मिलियन से ज्यादा नए कैंसर के मामले सामने आते हैं। कैंसर रोग का इलाज करने वाले डॉक्टरों का भी मानना है कि यह खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। कैंसर रोग की शुरूआती पहचान, जोखिम में कमी और प्रबंधन जैसे उपाय जरूरी है।

(आईसीएमआर) के आंकड़ों को देखें तो 2021 में कैंसर के 1426447 मामले नैशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम में दर्ज किए गए। 2022 में यह संख्या बढ़कर 1461427 हो गई और 2023 में 1496972 केस सामने आए। हर 9 में से से एक व्यक्ति को अपने जीवनकाल में कैंसर होने की संभावना है। पुरुषों में फेफड़े और महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के काफी मामले सामने आ रहे हैं। 14 वर्ष तक की आयु में लिम्फोइड ल्यूकेमिया का खतरा बढ़ा है। 2020 की तुलना में 2025 में कैंसर के मामलों में 10 प्रतिशत से ज्यादा की बढ़ोतरी का अनुमान है। आंकड़े बताते हैं कि भारत में कैंसर से साल 2020 में 7,70,230, 2021 में 7,89,202 और 2022 में 8,08,558 लोगों की मौत हुई है।

विश्व कैंसर दिवस 2025 की थीम यूनाइटेड बाय यूनिक है, जो कैंसर के खिलाफ लड़ाई में व्यक्तिगत, रोगी-केंद्रित देखभाल की महत्वपूर्ण भूमिका को परिभाषित करती है। कैंसर का पता लगाने, कैंसर के प्रकार और कारण, डायग्नोस और उपचार में काफी प्रगति हुई है। लेकिन अफसोस की बात है कि दुनिया की ज्यादातर आबादी के पास अभी भी बुनियादी स्वास्थ्य सेवायें नहीं पहुंच पायी है। जिसमें गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की देखभाल, रेगुलर टीकाकरण, यौन और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएं और पुरानी बीमारी का इलाज शामिल है। कैंसर की रोकथाम के बारे में जागरूकता फैलाकर, हेल्थ केयर प्रोफेशनल्स को ट्रेनिंग देकर, इफेक्टिव कम्यूनिटी बेस्ड प्लान को लागू करके, हम इस बीमारी से बचाव कर सकते हैं।

विश्व कैंसर दिवस दुनिया पर कैंसर के प्रभाव को कम करने के लिए सभी के लिए मिलकर काम करने का एक अवसर है। जागरूकता बढ़ाकर, शिक्षा को बढ़ावा देकर, दूसरों को नैतिक रूप से कार्य करने के लिए प्रोत्साहित कर-के और कैंसर के खिलाफ लड़ाई में समर्थन देकर ऐसे लोगों का जीवन बचाना है जिसे रोका और ठीक किया जा सकता है। एकजुट होकर और कार्म करके हम इस बीमारी से हमारे स्वास्थ्य, हमारी अर्थव्यवस्था और एक समाज के रूप में हमारी आत्माओं पर पड़ने वाले असर को कम कर सकते हैं।

कैंसर दुनियाभर में मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। विश्व स्वस्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) की रिपोर्ट के अनुसार 2023 में लगभग एक करोड़ लोगों की मौत कैंसर से हुइ थी। जिसमें ब्रेस्ट और लंग कैंसर के सबसे अधिक मामले सामने आए थे। डब्लूएचओ के अनुसार दुनिया भर में कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने से कैंसर के कारण होने वाली मौतों की संख्या को 30-50 प्रतिशत तक कम करने में मदद मिल सकती है। कैंसर की चुनौती से निपटने का सबसे अच्छा तरीका इस मुद्दे के बारे में लोगों से बातचीत शुरू कर के जागरूकता बढ़ायी जाये। तभी कैंसर जैसी जानलेवा बीमारी से लोगों की जीवन रक्षा की जा सकेगी।

(लेखक राजस्थान सरकार से मान्यता प्राप्त स्वतंत्र पत्रकार हैं।)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संपादकीय

राहतकारी बजट

वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने सुस्त पड़ती आर्थिक वृद्धि को रफ्तार देने के लिए बजट में मध्यम वर्ग के लिए राहत की बड़ी सौगात दी है। यह कि 12 लाख रुपये तक की सालाना आय पर कर नहीं लगेगा जिससे लोगों के हाथ में ज्यादा पैसा बच सकेगा। फलस्वरूप घरेलू उपभोग, बचत और निवेश को बढ़ावा मिलेगा। आर्थिक गतिविधियों में रवानी आने से अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। वित्त मंत्री ने शनिवार को लोक सभा में वर्ष 2025-26 का आम बजट पेश किया जो उनका लगातार आठवां बजट रहा, जो कीर्तिमान है। इस राहत से करीब एक करोड़ लोग आयकर के दायरे से बाहर हो जाएंगे। बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा बढ़ाने समेत अगली पीढ़ी के सुधारों को तेज करने का भी प्रस्ताव है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आम बजट को 'ऐतिहासिक' करार देते हुए कहा है कि 'यह हर भारतीय के सपनों को पूरा करेगा, विकसित भारत के मिशन को आगे ले जाएगा और विकास, निवेश और उपभोग को कई गुना बढ़ाएगा'। बेशक, बजट में जिस प्रकार से आयकर से राहत दी गई है, वह बाकी सभी बजट प्रावधानों से ज्यादा महत्त्वपूर्ण दिखलाई पड़ रही है। हालांकि हर बजटीय प्रावधान खासे विमर्श के बाद किया जाता है। लेकिन आयकर में राहत महत्त्वपूर्ण है क्यों कि अरसे से इस बाबत मांग की जा रही थी। अब यह राहत मिली है, तो इसे कुछ लोग चुनाव के मद्देनजर किया गया बदलाव करार दे रहे हैं। इस साल के आखिर में बिहार और इसी फरवरी में दिल्ली में विधानसभा के चुनाव हैं। बिहार के लिए भी पैकेज घोषित किया है, और आयकर में राहत से एक अनुमान के मुताबिक, दिल्ली के 85 प्रतिशत करदाताओं को अब आयकर नहीं देना पड़ेगा। बहरहाल, आम बजट से चुनावी से इतर अनेक लाभ मिलने तय हैं। महंगाई कम करने के साथ ही बजट रोजगार सृजन में सहायक होगा। रक्षा क्षेत्र और पूंजीगत व्यय में वृद्धि करने के साथ ही नियामक सुधारों पर बल दिया गया है। वरिष्ठ जन की एक लाख रुपये तक की ब्याज आय को कर-मुक्त रखा गया है, जो यकीनन सराहनीय है। परमाणु ऊर्जा कार्यक्रम के लिए भी उत्साहजनक ऐलान है। स्वास्थ्य क्षेत्र और

सैफ अब सेफ लेकिन सवाल हैं ढ़ेरों अनसुलझे, अनसेफ..!

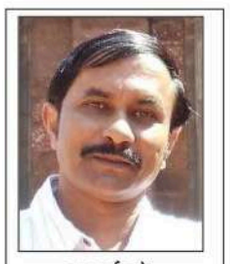

ऋतुपर्ण दवे

यह न तो किसी फिल्म का हिस्सा है और न ही कोई स्टंट। फिल्म अदाकार सैफ अली खान अपने घर पर 16 जनवरी की आधी रात बाद बदनीयत से घुसे एक आरोपी के प्राणघातक हमले से बुरी तरह जख्मीं हो खून से लथपथ हो जाते हैं। शेरदिल सैफ अपने छोटे बच्चे के साथ ऑटो में बैठकर अस्पताल पहुंचते हैं। घायल सैफ को पहचानते ही अस्पताल में तहलका मचता है। हैसियत के अनुसार बेहतर इलाज मिलता है। खबरिया चैनलों में घटना को दिखाने की होड़ मचती है। देखते ही देखते एक सेलेब्रिटी पर हमला हर जुबान पर होता है। लोग अपने-अपने कयास लगाते हैं। मुंबई पुलिस पर उंगली उठती है। हड़बड़ाहट में पुलिस को जो सुराग, सबूत हाथ लगते हैं उसी पर काम शुरू हो जाता है। सी.सी.टी.वी. फुटेज मिलते ही पलक झपकते हर मोबाइल पर पहुंच जाती है।

कई घण्टे बल्कि दिन पुलिस खाली हाथ रहती है। धीरे-धीरे सुराग मिलने के दावे होते हैं। तीन संदेहियों की बात होती है। हद तो तब हो जाती है जब छत्तीसगढ़ जा रहे कथित आरोपी की फोटो जारी हो जाती है जिससे उसकी न केवल नौकरी चली गई बल्कि होने वाली शादी भी टूट गई। उससे हाथ कुछ नहीं लगा। काफी मशक्कत, किरकिरी और नाक के सवाल के बीच 35 पुलिस टीमों की 60 घण्टों की भागदौड़ से 19 जनवरी को कथित असली आरोपी हाथ लगता है। इसे बांगलादेशी घुसपैठिया शरीफुल इस्लाम शहजाद बताया जाता है। दूसरी ओर बांगलादेश में बैठा उसका पिता देखते ही साफ इंकार करता है कि सी.सी.टी.वी. में दिख रहा शख्स उनका बेटा नहीं है।

इसी बीच फुटेज और पकड़ाए आरोपी के अलग-अलग हुलिए पर नई बहस और कई तर्क-कुतर्क शुरू हो जाते हैं। वाकई दोनों अलग-अलग दिखते हैं जो पहली नजर में समझ आता है। देश की सबसे स्मार्ट कहलाने वाली मुंबई पुलिस अपने ही जारी वीडियो पर घिर जाती है। बात तकनीक से पहचान तक आती है। वहीं दूसरे आम जानकार भी सवाल उठाते हैं। आम और खास सभी फुटेज और गिरफ्तार आरोपी के चित्रों का मिलान करते हैं और संदेहों की झड़ी लग जाती है। सी.सी.टी.वी. में बाल काले हैं आरोपी के बाल थोड़े से सफेद हैं। दोनों की उम्र भी अलग-अलग झलकती है। पकड़ा गया उम्र दराज लगता है तो फुटेज वाला बनिस्बत युवा। माथे का आकार-प्रकार भी अलग-अलग दिखता है। सी.सी.टी.वी. वाले का माथा पकड़ाए आरोपी की तुलना में छोटा है। आँखों में भी साफ अंतर है। पकड़ाए आरोपी की आँखें थोड़ी चौड़ी और बादाम के आकार सी है। सी.सी.टी.वी. में दिख रही आँखें गोल और छोटी हैं। दोनों की भौंहों का अंतर भी साफ-साफ झलकता है। दोनों की नाक का भी अंतर समझ आता है। गिरफ्तार की नाक चौड़ी है। फुटेज में नाक नुकीली और कम चौड़ी है। दोनों के होंठों में साफ-साफ अंतर दिख रहा है।

बात सिर्फ आरोपी की हो तो भी समझ आता है। लेकिन सैफ के डिस्चार्ज के वक्त आए वीडियो ने तो जैसे हंगामा बरपा दिया। चूंकि उन पर चाकू से इतने वार हुए कि एक टुकड़ा टूटकर पीठ में जा घुसा जो सर्जरी से निकला। जाहिर है जख्म गहरे होंगे और सैफ बेइंतिहा दर्द से गुजरे होंगे। साधारणतया फांस घुसने या नाखून के साथ किनारे जमीं चमड़ी कट जाने पर कई-कई दिन लोगों को तकलीफ रहती है। वहीं बुरी तरह जख्मी सैफ की सेहत में हैरानी भरा सुधार और इतना कि अस्पताल से पैदल चलकर हीरो माफिक निकलना खुद ही बड़ा सवाल बन गया? जबकि डॉक्टरों की हिदायत पूरी तरह से आराम यानी बेड रेस्ट की रही।

परिस्थितियों और बाद के घटनाक्रम ने संदेह और बढ़ाया। आम तो आम खास भी सवाल उठाने लगे। महाराष्ट्र के मंत्री नितेश राणे ने चुभते सवाल उठाए। पूछा कि क्या वाकई में चाकू से हमला हुआ या महज एक्टिंग थी? शिवसेना नेता संजय निरूपम भी कई सवाल उठाते हैं। सैफ पाँच दिन में ऐसे फिट कैसे हो गए? उद्धव गुट के सांसद संजय राउत फिटनेस को मेडिकल चमत्कार मान डॉक्टरों को श्रेय देते हैं।

इधर लहरें टीवी का सोशल मीडिया हैंडल एक पुराना वीडियो शेयर करता है। उसमें सैफ 1994 में दिल्ली में हुए हमले का खुलासा करते हैं। फिल्म मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी के प्रीमियर के बाद सैफ कुछ दोस्तों संग एक नाइट क्लब गए। वहां दो लड़कियां साथ डांस करने को कहती हैं। सैफ के इंकार पर लड़कियों के पुरुष दोस्त को बुरा लगा। बात चेहरा बिगाड़ने तक पर आ गई। सैफ पर हमला हुआ। वो सिर की चोट का निशान भी दिखाते हैं। लेकिन केस क्यों नहीं किया के जवाब में कहते हैं कि मामले को ज्यादा पब्लिसिटी नहीं देना चाहते थे वरना लोग उन्हें ही दोषी ठहराएंगे। इस बार ऐसा नहीं हुआ। चोटिल और इलाज के बाद निकलते सैफ किसी सुपरस्टार से कम नहीं लगे। 17 जनवरी की तड़के से अब तक सुर्खियां इतनी कि थमने के बजाए रोजाना कुछ न कुछ नई थ्योरी के साथ सामने होती हैं। हमले के वक्त घर पर कौन-कौन था, करीना लेकर अस्पताल क्यों नहीं पहुंची? साथ में वाकई कौन गया बेटा या कोई और?

निश्चित रूप से सैफ पर हमला, पकड़ाए आरोपी पर संदेह, सेहत में हैरानी भरा सुधार हर रोज नए-नए खुलासे, तर्क-वितर्क के बीच सच क्या और झूठ क्या है इस पर ऊहापोह की स्थिति है। कभी यह सुनाई देता है कि घटनास्थल से कलेक्ट किए गए नमूनों में से 19 नमूने आरोपी के फिंगरप्रिंट से मेल नहीं खा रहे। अब यह कि फेशियल रिकग्निशन टेस्ट में आरोपी शरीफुल का चेहरा और सैफ के घर में मिले सीसीटीवी के कैद आरोपी का चेहरा एक ही है। यह एक तरह से बायोमेट्रिक पहचान तकनीक है जो तीन भागों में विभाजित है। चेहरा पहचानना, चेहरा ट्रैकिंग और चेहरे को मिलाना। इस तकनीक से मुख्य रूप से यह पता किया जाता है कि दो तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति एक ही व्यक्ति है या नहीं?

इतना तो तय है कि घटना की गुत्थियां, पेचीदगियां और रहस्य कहीं न कहीं महाराष्ट्र पुलिस, सरकार और सेलीब्रिटीज के लिए लंबे अरसे तक सिरदर्द जरूर रहेंगी। सच-झूठ सिवाय सैफ-करीना के कौन जानता है यह भी अनसुलझा सवाल बन चुका है?

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तंभकार हैं।)

चिंतन-मनन

जहाँ शांति है वही सुख

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है।

लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

मुद्दा : परिवेशगत सुधार की जरूरत

विनीत नारायण

कई दशकों से देखने में आया है कि गणतंत्र या स्वतंत्रता दिवस पर शहीदों को नमन कर देशवासियों को लंबे-चौड़े वादों की सौगात देकर देश का भला करने के संकल्प लिए जाते हैं परंतु इन सब से क्या देश का भला हो सकता है?

कई देशों में प्रवासी भारतीयों ने कई क्षेत्रों में बुलंदियों को छुआ है। इसका मतलब हुआ कि भारतीयों में योग्यता की कोई कमी नहीं है। यदि सभी को सही मौका और प्रोत्साहन मिले तो कठिन से कठिन लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

अगर यह बात सही है तो फिर क्या वजह है कि खिलाड़ियों पर खर्चा करने की बजाय खचीर्ले खेल आयोजनों पर अरबों रुपया बर्बाद किया जाता है? कुछ हजार रुपये का कर्जा लेने वाले किसान आत्महत्या करते हैं और लाखों करोड़ का बैंकों का कर्जा हड़पने वाले उद्योगपति ऐश। आधी जनता भूखे पेट सोती है और एफसीआई के गोदामों में करोड़ों टन अनाज सड़ता है। विधायिका, न्यायपालिका, कार्यपालिका और मीडिया भी ऐसी अव्यवस्था का नंगा नाच दिखाने में पीछे नहीं रहते।

नतीजतन, आतंकवाद और नक्सलवाद चरम सीमा पर पहुंचता जा रहा है। सरकार के पास विकास के लिए धन की कमी नहीं है पर धन का सदुपयोग कर विकास के कामों को ईमानदारी से करने वाल पैसे-पैसे के लिए धक्के खाते हैं और नकली योजनाओं पर अरबों रुपया डकारने वाले सरकार का धन बिना रुकावट खींच ले जाते हैं। ऐसे में स्वतंत्रता दिवस या गणतंत्र दिवस का क्या अर्थ लिया जाए? यही न कि हमने आजादी के नाम पर गोरे साहबों को धक्का देकर काले साहबों को बिठा दिया। पर काले साहब तो लूट के मामले में गोरों के भी बाप निकले। स्विटजरलैंड के बैंकों में सबसे ज्यादा काला धन जमा करने वालों में भारत काफी आगे है। इसलिए जरूरत है हमारी सोच में बुनियादी परिवर्तन की।

ह्यसब चलता हैह्ण और ह्याऐसे ही चलेगाह्ण कहने वाले इस लूट में शामिल हैं। जज्बा तो यह होना चाहिए कि ह्यदेश सुधरेगा क्यों नहीं?ह्ण ह्यहम ऐसे ही चलने नहीं देंगेह्ण। अब सूचना क्रांति का जमाना है। हर नागरिक को सरकार के हर कदम को जांचने-परखने का हक है। इस हथियार का इस्तेमाल पूरी ताकत से करना चाहिए। सरकार चाहे किसी भी दल की क्यों न हो उसमें में जो लोग बैठे हैं, उन्हें भी अपना रवैया बदलने की जरूरत है। एक मंत्री या मुख्यमंत्री रात के अंधेरे में मोटा पैसा खाकर उद्योगपतियों के गैर-कानूनी काम करने में तो एक मिनट की देर नहीं लगाता। पर यह जानते हुए भी कि फलां व्यक्ति या संस्था राज्य के बेकार पड़े संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल कर सकती है, उसके साथ वही तत्परता नहीं दिखाता।

आखिर क्यों? जब तक हम सही और अच्छे को बढ़ावा नहीं देंगे, उसका साथ नहीं देंगे, उसके लिए आलोचना भी सहने से नहीं डरेंगे तब तक कुछ नहीं बदलेगा। नारे बहुत दिए जाएंगे पर परिणाम केवल कागजों तक सीमित रह जाएंगे। सरकारों ने अगर अपने अधिकारियों के विरोध की परवाह करते हुए अपने कार्यकालों में कई सक्षम लोगों को यदि खुली छूट न दी होती तो अमूल और मेट्रो जैसे हजारों करोड़ के साम्राज्य कैसे खड़े होते? आम आदमी के लिए रोजगार का सृजन करना हो या देश की गरीबी दूर करना हो, सरकार की नीतियों में बुनियादी बदलाव लाना होगा। केवल आंकड़े ही नहीं साक्षात परिणाम देख कर भी नीति बननी चाहिए।

खोजी पत्रकारिता के चार दशक के मेरे अनुभव यही रहे कि बड़े से बड़ा भ्रष्टाचार बड़ी बेशर्मी से कर दिया जाता है पर सच्चाई और अच्छाई का डट कर साथ देने की हिम्मत हमारे राजनेताओं में नहीं है। इसीलिए देश का सही विकास नहीं हो रहा। खाई बढ़ रही है। हताशा बढ़ रही है। हिंसा बढ़ रही है। पर नेता चारों ओर लगी आग देख कर भी कबूतर की तरह आंखें बंद किये बैठे हैं। इसलिए फिर से समाज के मध्यम वर्ग को समाज के हित में सक्रिय होना होगा। मशाल लेकर खड़ा होना होगा। टीवी सीरियलों और उपभोक्तावाद के चंगुल से बाहर निकल कर अपने इर्द-गिर्द की बदहाली पर निगाह डालनी होगी ताकि हमारा खून खौले और हम बेहतर बदलाव के निमित्त बन सकें।

विनाश के मूक द्रष्टा नहीं। तब ही हम सही मायने में आजाद हो पाएंगे। फिलहाल तो उन्हीं अंग्रेजों के गुलाम हैं जिनसे आजादी हासिल करने का मुगालता

लिए बैठे हैं। हमारे दिमागों पर उन्हीं का कब्जा है जो घटने की बजाय बढ़ता जा रहा है। ये बातें या तो शेखचिल्ली के ख्वाब जैसी लगती हैं या किसी संत का उपदेश। पर ऐसा नहीं है। इन्हीं हालात में बहुत कुछ किया जा सकता है। देश के हजारों लाखों लोग रात दिन निष्काम भाव से समाज के हित में समर्पित जीवन जी रहे हैं। हम इतना त्याग न भी करें तो भी इतना तो कर ही सकते हैं कि अपने इर्द-गिर्द की गंदगी को साफ करने की ईमानदार कोशिश करें। चाहे वह गंदगी हमारे दिमागों में हो, हमारे परिवेश में हो या हमारे समाज में हो। हम नहीं कोशिश करेंगे तो दूसरा कौन आकर हमारा देश सुधारेगा?

खाने के बेहतरीन स्वाद के लिए घर पर तैयार कर रही हैं मसाला, तो इन बातों का रखें ध्यान

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की [ालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो।

खाने का असली स्वाद उसके मसालों में छिपा होता है। अमूमन हम बाजार के रेडीमेड मसाले लाकर उनका इस्तेमाल करना पसंद करते हैं, लेकिन कभी-कभी उनमें मिलावट होती है और हमें इसका पता ही नहीं चलता है। ऐसे में खाना काफी फीका व बेस्वाद सा लगता है। साथ ही साथ, मिलावटी मसालों के कारण सेहत को भी काफी नुकसान होता है। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप खुद घर पर ही अलग-अलग तरह के मसाले बनाकर उन्हें स्टोर करें। घर पर मसाले तैयार करते समय थोड़ी अतिरिक्त मेहनत अवश्य लगती है, लेकिन खाने का स्वाद बेहद ही लाजवाब आता है। अगर आप भी घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको कुछ छोटे-छोटे टिप्स को जरूर फॉलो करना चाहिए। जानिए इस लेख में-

क्वालिटी के साथ ना करें समझौता

जब आप घर पर मसाले पीसकर तैयार कर रहे हैं तो आपको साबुत मसालों की क्वालिटी के साथ किसी तरह का समझौता नहीं करना चाहिए। कोशिश करें कि मसाले फ्रेश हों और उनमें से किसी तरह की गंध ना आ रही हो और ना ही उनका रंग फीका पड़ा हो। अगर साबुत मसाले की क्वालिटी अच्छी होती है, तभी आपके पीसे हुए मसालों का स्वाद उतना लाजवाब लगता है।

अनुपात में ना हो गड़बड़

अमूमन हम सभी घर पर कई तरह के मसालों को तैयार करते हैं, फिर चाहे वह गरम मसाला हो, सांभर मसाला हो या चाट मसाला। एक परफेक्ट टेस्ट के लिए यह बेहद जरूरी है कि आप मसालों के अनुपात का खास ख्याल रखें। दरअसल, हर मसाले के मिश्रण का अपना खास अनुपात होता है, इसलिए आप उसी अनुपात को ध्यान में रखकर मसला तैयार करें।

पहले करें ड्राई रोस्ट

जब आप घर पर मसाला बना रहे हैं तो यह बेहद जरूरी है कि आप पहले साबुत मसाले को ड्राई रोस्ट जरूर करें। मसालों को ड्राई रोस्ट करने से उनका स्वाद और खुशबू दोनों बढ़ जाती है। इसके लिए, आप भारी तले वाले पैन का इस्तेमाल करें और धीमी आंच पर इसे भूनें। ध्यान दें कि हर मसाले को अलग-अलग भूनें, क्योंकि सभी को भूनने का समय अलग-अलग होता है। साथ ही साथ, इसे जलने से बचने के लिए भूनते समय हिलाते रहें।

चॉकलेट पराठा बनाते समय ना करें ये गलतियां, बिगड़ जाएगा स्वाद

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं।

ठंड के मौसम में पराठा खाना हम सभी को पसंद होता है, लेकिन अगर आप बच्चों के लिए कुछ अच्छा व अलग तरह का पराठा बनाना चाहते हैं तो ऐसे में चॉकलेट पराठा बनाया जा सकता है। चॉकलेट का नाम सुनते ही बच्चों के चेहरे पर बड़ी सी मुस्कान छा जाती है, तो जरा सोचिए कि चॉकलेट पराठा का नाम सुनकर वे कितना ज्यादा खुश होंगे। खासतौर से, जिन बच्चों को मीठा खाना काफी पसंद होता है, उनके लिए चॉकलेट पराठा किसी ट्रीट से कम नहीं है।

यूं तो चॉकलेट पराठा खाने में काफी सॉफ्ट लगता है, लेकिन अधिकतर इसे बनाते समय हम इसमें कुछ छोटी-छोटी गलतियां कर बैठते हैं, जिससे इसका स्वाद बिगड़ जाता है। यह काफी सख्त और जला हुआ महसूस होता है या फिर इसकी फिलिंग बाहर निकलने लगती है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको चॉकलेट पराठा बनाते समय की जाने वाली कुछ आम गलतियों के बारे में बता रहे हैं-

गलत चॉकलेट का इस्तेमाल करना

चॉकलेट पराठा बनाने का मतलब यह कतई नहीं है कि आप किसी भी चॉकलेट का इस्तेमाल करना शुरू करें। आप ऐसी चॉकलेट से बचें जो बहुत जल्दी पिघल जाती हैं, क्योंकि वह पराठा सेंकते समय समय बाहर निकल सकती हैं। कोशिश करें कि आप चॉकलेट पराठा बनाने के लिए सेमी-स्वीट या डार्क चॉकलेट चुनें।

पराठे में बहुत ज्यादा चॉकलेट भरना

अक्सर हम पराठा को बहुत ज्यादा टेस्टी बनाने के चक्कर में उसमें बहुत ज्यादा चॉकलेट भर देते हैं। ऐसा करना शायद आपको अच्छा लगता हो, लेकिन इससे पराठे को रोल करना काफी मुश्किल हो जाता है। यहां तक कि इससे पराठा बेलते समय उसके फटने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। इसलिए, हमेशा सही मात्रा में ही चॉकलेट का इस्तेमाल करें।

ठीक से सील न करना

चॉकलेट पराठा बनाते समय इस बात का विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, जबकि हम इसमें अक्सर गड़बड़ कर बैठते हैं। अगर पराठे के किनारों को अच्छी तरह से सील नहीं किया गया है, तो खाना बनाते समय चॉकलेट बाहर निकल जाएगी, जिससे चिपचिपापन पैदा होगा। इसलिए किनारों को सही तरह से सील करें और उन्हें सील करने से पहले उन्हें पानी या दूध से थोड़ा गीला कर लें।

तेज आंच पर पकाना

चॉकलेट पराठा बनाते समय उसे कभी भी तेज आंच पर पकाने की गलती नहीं करनी चाहिए। अगर आप तेज आंच पर चॉकलेट पराठा बना रहे हैं तो इससे पराठे की आउटर लेयर पिघल सकती है, जबकि अंदर की चॉकलेट नहीं पिघलेगी। इसलिए पराठा को समान रूप से पकाने के लिए आंच को मध्यम-धीमा रखें।

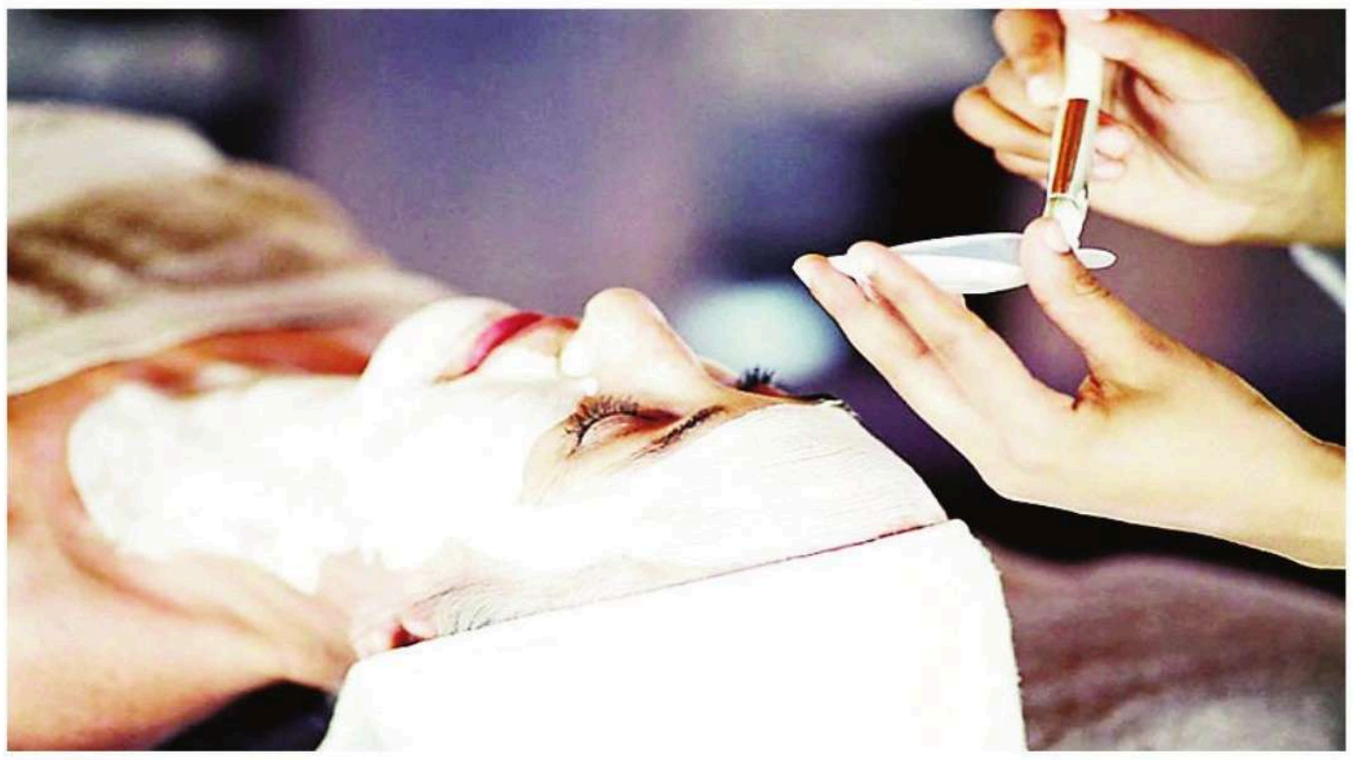

सर्दियों में डल हो गया है फेस तो अप्लाई करें मक्के के आटे का फेसपैक, शीशे सी चमकेगी त्वचा

आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

सर्दियों में मौसम में अक्सर हमारी स्किन डल हो जाती है। ऐसे में हर कोई इस मौसम में अपनी स्किन का खास ख्याल रखता है। स्किन केयर के लिए लोग महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट खरीदते हैं और बहुत से लोग घरेलू नुस्खे भी अपनाते हैं। अगर आप भी ब्यूटी प्रोडक्ट से ज्यादा घरेलू नुस्खों पर भरोसा रखती हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। बता दें कि सर्दियों में हम आपको स्किन केयर में मक्के का आटा इस्तेमाल करना सिखा रहे हैं।

दरअसल, मक्के के आटे में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण, मिनरल्स और विटामिन प्रचुर मात्रा में पाया जाता है। यह आपकी स्किन को पोषण देने के साथ त्वचा को स्वस्थ रखने में भी मदद करता है। ऐसे में आप मक्के का आटा स्किन केयर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मक्के का आटा इस्तेमाल करने के फायदे और इसके इस्तेमाल के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं। जिससे कि आपको इसका पूरा लाभ मिल सके।

स्किन को मिलेगा निखार

मक्के का आटा हमारी स्किन की गहराई से सफाई करता है और नेचुरल चमक देता है। अगर आप सप्ताह में दो-तीन बार इस आटे से बने फेसपैक का इस्तेमाल करती हैं, तो इससे आपका फेस खिल उठेगा।

डेड स्किन होगी खत्म

मक्के का आटा स्क्रब की तरह काम करता है। यह डेड स्किन सेल्स को हटाने में सहायता करता है। आप बिना सोचे-समझे सप्ताह में दो बार इस स्क्रब का इस्तेमाल कर सकती हैं।

झुर्रियां कम होंगी

मक्के के आटे में एंटी-ऑक्सीडेंट्स मौजूद होता है, जो स्किन को जवां बनाए रखते हैं। इस फेसपैक को अप्लाई करने से स्किन की झुर्रियां कम हो जाती हैं। साथ ही यह फेसपैक पिगमेंटेशन और टैनिंग को भी कम करता है।

फेस पैक बनाने का सामान

मक्के का आटा - 2 बड़े चम्मच
दूध - 2-3 बड़े चम्मच
शहद - 1 चम्मच
गुलाब जल - 1-2 चम्मच

ऐसे बनाएं

यह फेसपैक बनाने के लिए सबसे पहले एक कटोरी में मक्के का आटा लें। अब इसमें धीरे-धीरे कच्चा दूध डालें और इसको अच्छे से मिक्स करें। फिर इसमें शहद और गुलाबजल मिलाएं और गाढ़ा पेस्ट बना लें। अब इस पेस्ट को फेस और गर्दन पर अप्लाई करें। लगाने के बाद इसको 15-20 मिनट तक सूखने दें। अब हल्के गुनगुने पानी से स्क्रब करते हुए चेहरा धो लें।

इन बातों का रखें ध्यान

बता दें कि यह फेसपैक आपकी स्किन को नेचुरल रूप से स्वस्थ और चमकदार बनाएगा। लेकिन इसके इस्तेमाल के दौरान आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखता है। क्योंकि अगर आपकी स्किन संवेदनशील है, तो आपको पहले पैट टेस्ट जरूर करना चाहिए। इस फेसपैक को आंखों और होंठों के आसपास न लगाएं। क्योंकि अगर यह गलती से आंख के अंदर चला जाता है, तो आपको दिक्कत हो सकती है।

ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आज से ही पीना शुरु कर दें यह सूप

अगर आप भी बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन चाहते हैं, तो घर में यह सूप जरुर बनाएं। इस सूप बनाने के लिए आपको बस यह चीजें चाहिए। आइए आपको बताते हैं इसे बनाने की विधि।

आज के समय में महिलाओं को बिना मेकअप के खूबसूरत दिखना है। अगर आप भी चाहती हैं निखरी और दमकती त्वचा, तो आप अपने में डाइट में हेल्दी चीजें को जरुर शामिल करें। हेल्दी चीजों के सेवन से आपकी त्वचा भी खिलकर आएगी। बिना मेकअप के ग्लोइंग स्किन पाने के लिए आप अपने घर पर इस हेल्दू सूप को जरुर बनाएं।

सामग्री

- 1 कप गाजर - 1 कप लौकी
- 1 टमाटर - 1 प्याज
- 1/2 इंच अदरक का टुकड़ा
- 2 से 3 लहसुन की कलियां
- नमक स्वादानुसार
- काली मिर्च
- घी

गाजर और लौकी का सूप बनाने की रेसिपी

- सबसे पहले आप कुकर में घी डालें।
- फिर इसमें अदरक, लहसुन, प्याज हल्का सुनहरा होने तक भूनें।
- अब आप इसमें गाजर, लौकी और टमाटर डालें और हल्का सा भूनें।
- सभी चीजों को भूनने के बाद 2 कप पानी डालें।
- जब 2 सीटी आ जाए तो गैस बंद कर दें और इसे ठंडा होने दें।
- फिर ब्लेंडर में सभी चीजों को डालकर ब्लेंड कर लें।
- इसमें स्वादानुसार कालीमिर्च और नमक डालें।
- तैयार के आपका गर्मागरम सूप।

सूप के पीने के फायदे

गाजर और लौकी के सूप में विटामिन सी मौजूद होता है, जो स्किन में निखार लेकर आता है। इससे कोलेजन का उत्पादन होता है, जो कि त्वचा की झुर्रियों को कम करता है। इसके साथ ही यह एंटी-एजिंग का गुण प्रदान करता है। इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी पाया जाता है जो बढ़ती उम्र को रोकने में भी मदद करता है। इस सूप के पीने से त्वचा कोमल बनती है।

मीठा खाने का है मन तो फटाफट बनाकर तैयार करें गाजर की खीर

सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

सर्दियों के मौसम में हर घर में गाजर खाई जाती हैं। गाजर में पोषक तत्व पर्याप्त मात्रा में पाई जाती है। बहुत से लोग गाजर की सब्जी, अचार, पराठे तो कभी स्वादिष्ट हलवा बनाकर खाया जाता है। वहीं सर्दियों में गाजर का हलवा हर घर में बड़े चाव से खाया जाता है। हालांकि गाजर का हलवा बनाना टेढ़ी खीर है। क्योंकि इसमें घंटों की मेहनत लगती है, तब जाकर यह हलवा तैयार होता है। लेकिन अगर आपका कुछ झटपट बनाकर खाने का मन है, तो गाजर के हलवे जैसा स्वादिष्ट गाजर की खीर बनाकर खा सकती हैं।

आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको गाजर की खीर बनाने की विधि के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आज हम आपको रबड़ीदार और परफेक्ट गाजर की खीर की रेसिपी के बारे में बताने जा रहे हैं। यह स्वादिष्ट गाजर की खीर आपके परिवार के सभी सदस्यों को खूब पसंद आएगी।

गाजर की स्वादिष्ट रबड़ीदार खीर बनाने के लिए आपको जिन भी सामग्रियों की जरूरत होगी वह ये हैं।

गाजर- एक कप कद्दूकस की हुई
देसी घी- 2 बड़े चम्मच
दूध- डेढ़ कप
कंडेंस्ड मिल्क- दो बड़े चम्मच
फ्रेश मलाई
काजू
बादाम
पिस्ता
किशमिश
चीनी
इलायची पाउडर- 1/4

ऐसे बनाएं गाजर की खीर

बता दें कि गाजर की खीर बनाने के लिए सबसे पहले गाजर को कद्दूकस कर लें। अब गैस पर पैन चढ़ाकर दो बड़े चम्मच देसी घी डालें। अब इसमें मनपसंद ड्राई फ्रूट्स डालकर रोस्ट कर लें। फिर इन ड्राई फ्रूट्स को एक प्लेट में निकालकर अलग रख लें। इसके बाद उसी पैन में कद्दूकस की हुई गाजर डालें और इसको अच्छे से रोस्ट कर लें। इससे गाजर में अच्छा सा फ्लेवर आ जाएगा। करीब 5-7 मिनट तक हल्दी आंच पर कद्दूकस की हुई गाजर को चलाते हुए रोस्ट करें।

जब गाजर अच्छे से रोस्ट हो जाए, तो इसमें उबला हुआ दूध डाल दें। अब गाजर और दूध को अच्छे से चलाते हुए मिक्स करें और फिर मीडियम आंच पर धीरे-धीरे पकने दें। जब इसमें उबाल आ जाए, तब इसमें कंडेंस्ड मिल्क या फिर गाढ़ी मलाई मिलाएं। इसको बीच-बीच में चलाते रहें।

करीब 5 मिनट तक पकाने के बाद स्वादानुसार चीनी डालें और यदि आपने कंडेंस्ट मिल्क मिलाया है, तो चीनी थोड़ा कम ही डालें। क्योंकि कंडेंस्ड मिल्क पहले से मीठा होता है। इन सभी सामग्रियों को अच्छे से चलाते हुए पका लें। करीब 5 मिनट तक इसको गाढ़ा होने तक पकाएं। अब इसमें फ्लेवर और खुशबू के लिए इलायची पाउडर मिक्स करें और गैस बंद कर लें। इस तरह से गाजरी की स्वादिष्ट खीर बनकर तैयार हो जाएगी। गार्निशिंग के लिए ऊपर से कटे हुए ड्राई फ्रूट्स डालें और गर्मागर्म सर्व करें।

रिलीज के कुछ घंटे बाद ही पाइरेसी की शिकार हुई देवा, शाहिद कपूर को लगा झटका

शाहिद कपूर की बहुप्रतीक्षित बॉलीवुड फिल्म देवा शुक्रवार को सिनेमाघरों में रिलीज हुई, लेकिन रिलीज के कुछ ही घंटों बाद ऑनलाइन लीक हो गई। शाहिद कपूर अभिनीत यह फिल्म कथित तौर पर बड़े पर्दे पर आने के तुरंत बाद कई अवैध वेबसाइटों पर अपलोड कर दी गई थी।यह घटना भारतीय सिनेमा को निशाना बनाकर साइबर चोरी का एक और मामला है।

कलेक्शन पर होगा असर

देवा के पाइरेटेड संस्करण कई अवैध वेबसाइटों पर देखे गए हैं। देवा मूवी डाउनलोड, देवा मूवी एचडी डाउनलोड, देवा तमिलरॉकर्स, देवा फिल्मजिला, और देवा टेलीग्राम लिंक्स जैसे कीवर्ड सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर ट्रेंड कर रहे हैं। यह फिल्म कई फॉर्मेट में कई वेबसाइटों पर उपलब्ध है। देवा का ऑनलाइन लीक होना इसकी बॉक्स ऑफिस संभावनाओं के लिए बड़ा खतरा बन गया है।

फिल्म के कलाकार

यह फिल्म शुरुआती तौर पर देश भर के सिनेमाघरों में भारी भीड़ खींच रही है, जिसमें शाहिद कपूर ने एक विद्रोही पुलिस अधिकारी देव अम्बरे की भूमिका में अभिनय किया है। मलयालम फिल्म निर्माता रोशन एंड्रयूज द्वारा निर्देशित इस थ्रिलर-ड्रामा में पूजा हेगड़े एक खोजी पत्रकार की भूमिका में हैं, जबकि कुब्रा सैत और पावेल गुलाटी ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई हैं।

कई फिल्में हो चुकी हैं पाइरेसी का शिकार

देवा से पहले भी कई फिल्में पाइरेसी का शिकार हो चुकी हैं। अक्सर हर फिल्म ही पाइरेसी का शिकार हो जाती हैं। इससे पहले साउथ सुपरस्टार राम चरण की फिल्म गेम चेंजर भी पाइरेसी का शिकार हुई थी, जिस पर निर्माताओं ने कड़ा रुख अपनाते हुए एक्शन भी लिया था। इस मामले में पुलिस केस भी किया गया और एक आरोपी को हिरासत में भी लिया गया था।

मैं 7-8 साल की थी तभी से लोग मेरे बारे में बोलते हैं, बहुत बुरा लगता था

माता-पिता श्रीदेवी और बोनी कपूर की विरासत को आगे बढ़ाते हुए जान्हवी कपूर की छोटी बहन खुशी कपूर उत्साहित भी हैं और नर्वस भी। ओटीटी पर द आर्चीज से अपने अभिनय का श्रीगणेश करने वाली खुशी अब आने वाली फिल्म लवयापा में प्यार-मोहब्बत की उलझनों को दर्शाती नजर आएंगी। इस मुलाकात में वे अपनी फिल्म, महिला मुद्दों, माता-पिता और ट्रोल्स के बारे में खुलकर बात कर रही हैं।

इंडस्ट्री में जब भी दो बहन या भाई आते हैं, तो उनके बीच सिबलिंग राइवलरी की चर्चा होने लगती है। आपकी बहन जाह्नवी कपूर से आपकी बॉन्डिंग काफी है, क्या कहना चाहेंगी?

मैं ऐसा कुछ मानती ही नहीं। मुझे नहीं लगता कि दो बहनों के बीच ऐसा कुछ होता होगा। हां, हम दोनों बहनें एक-दूसरे के बेहद करीब हैं। मैं जाह्नवी से काफी सवाल पूछती रहती हूं। जाह्नवी का सिर खा जाती हूं। काम की बात हो या किसी फंक्शन में कोई आउटफिट पहनना हो। मैं उससे सवाल पर सवाल करती रहती हूं। मैं उसको आउटफिट के पिक्स ले-लेकर भेजती रहती हूं और पूछती रहती हूं कि क्या पहनूं। क्या करूं! मुझे लगता है कि मैं उनके अनुभव से काफी कुछ सीख सकती हूं। वो जो कहती हैं, मैं वैसा ही करती हूं।

आपके फिल्मकार पिता बोनी कपूर से आपने क्या टिप्स लिए इंडस्ट्री में आने के लिए?

मैं अपने डैड से पूछे बिना कुछ नहीं करती। मैं इंडस्ट्री में नई हूं और वे काफी अनुभवी हैं, तो स्क्रिप्ट्स की बात हो या काम की, मैं हमेशा उन्हीं से सलाह लेती हूं। वे हमेशा मुझे एडवाइज देते हैं और मेरा मार्गदर्शन करते हैं।

आपकी नजर में सबसे आइडियल कपल कौन है?

बेशक मेरे माता-पिता। मैं अपने माता-पिता से बहुत प्यार करती हूं। वही मेरी नजर में सबसे आदर्श कपल हैं। हर कोई बचपन से अपने माता-पिता को ही देखता है एक आदर्श के रूप में। उनकी आदतें, उनके मूल्यों और विश्वास को ही वे अपनाते हैं। उनकी गलतियों से सीखते हैं। मैंने प्यार का अहसास अपने माता-पिता के रिश्ते से सीखा। जिस तरह वे एक-दूसरे को चाहते थे। मैं भी उसी तरह का प्यार और रिश्ता चाहूंगी।

आपकी फिल्म रिलेशनशिप और प्यार-मोहब्बत पर आधारित है। क्या आप उनके सिचुएशनशिप, बेंचिंग, रेड फ्लैग, घोस्टिंग जैसे टर्म्स से वाकिफ हैं?

मुझे रेड फ्लैग और ग्रीन फ्लैग के बारे में तो पता है। ये समझना आसान है। बाकी दूसरे टर्म्स से मैं वाकिफ नहीं हूं। मैं देखती हूं कि हर दिन कुछ नया आ जाता है। मगर मैं इतना कह सकती हूं कि प्यार एक अहसास है। वह अब भी वैसा ही है, जैसे पहले था। हां, कॉम्प्लिकेशन्स भी हैं। बस अब ये एक्स्ट्रा टर्म्स आ गए हैं। जैसे हमारी फिल्म ही ले लीजिए। इसमें फोन के कारण काफी जटिलताएं आ जाती हैं। हमारी फिल्म में आपको पुरानी फिल्मों वाला प्यार-मोहब्बत मिलेगा, मगर हमने न्यू एज जेनरेशन के लव और उनकी समस्याओं को भी दर्शाया है।

सोशल मीडिया पर आप कितना वक्त बिताती हैं? ट्रोल्स को कैसे हैंडल करती हैं?

मैं भी दूसरों की तरह सोशल मीडिया पर काफी वक्त बिताती हूं। रील्स देखती रहती हूं। कोशिश करती हूं कि अपना स्क्रीन टाइम कम कर सकूं, मगर कर नहीं पाती, क्योंकि सारा काम फोन पर ही होता है। हमारी पूरी जिंदगी फोन पर है। वैसे कंट्रोल नहीं है मेरा। जहां तक ट्रोल्स की बात है, तो वह मेरे फिल्मों में आने से पहले ही थे। जब मैं 7-8 साल की थी, तभी से लोग मेरे बारे में कुछ न कुछ तो बोलते ही रहते थे इंटरनेट पर। अब तो काफी हद तक आदत हो गई है, मगर जब मैं छोटी थी, तब बहुत बुरा लगता था कि मेरे बारे में ऐसा क्यों लिखा जा रहा है। मगर अब लगता है कि लोग तो कहेंगे ही। मैं उसे कंट्रोल नहीं कर सकती। लोगों को एक इम्प्रेशन है मुझे लेकर कि मैं इंडस्ट्री से हूं, तो शायद मैं ऐसी हूं या वैसी हूं। लोगों को लगता है कि अगर ये इंडस्ट्री से हैं, तो शायद ईमानदारी से काम नहीं करेगी। मगर वे गलत हैं। अगर मैं दिन भर ट्रोल्स के कॉमेंट पढ़ूं, तो मुझे बुरा ही लगेगा। मैं ज्यादातर उन्हें इग्नोर करती हूं। मैं अपना काम बेहतरीन ढंग से कर सकती हूं और उम्मीद करती हूं कि लोग मुझे पसंद करें।

पत्रलेखा और राजकुमार राव ने आधिकारिक तौर पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। काम्पा नाम व्यक्तिगत महत्व रखता है, क्योंकि इसमें उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षर शामिल हैं, जो इस कपल की निजी जिंदगी को दर्शाता है।

राजकुमार राव-पत्रलेखा ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

बॉलीवुड अभिनेता राजकुमार राव और पत्रलेखा ने अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। नए उद्यम का नाम उनकी माताओं (कमलेश यादव और पापरी पॉल) के लिए प्यारी याद है, क्योंकि इसमें उनके नाम के पहले अक्षर शामिल हैं। दोनों ही कलाकार इस प्रयास में उद्योग जगत के अनुभव का खजाना लेकर आए हैं। उन्होंने अपने प्रोडक्शन हाउस के नाम का मतलब भी समझाया है।

कपल ने लॉन्च किया प्रोडक्शन हाउस

पत्रलेखा और राजकुमार राव ने आधिकारिक तौर पर अपना खुद का प्रोडक्शन हाउस काम्पा फिल्म्स लॉन्च किया है। काम्पा नाम व्यक्तिगत महत्व रखता है, क्योंकि इसमें उनकी माताओं के नाम के पहले अक्षर शामिल हैं, जो इस कपल की निजी जिंदगी को दर्शाता है। अपने नए उद्यम के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, काम्पा का शुभारंभ हमारे लिए एक भावनात्मक मील का पत्थर है। सिनेमा ने हमारे जीवन को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और यह बदले में कुछ देने का हमारा तरीका है।

राजकुमार राव ने जताई खुशी

राजकुमार ने आगे कहा, हम ऐसी कहानियां बताने के लिए एक मंच बनाना चाहते थे, जो मनोरंजक और प्रेरणादायक होने के साथ-साथ व्यक्तिगत स्तर पर भी गूंजती हों। यह यात्रा हमारे दिल के बहुत करीब है और हम दर्शकों के लिए ताजा और अनूठी कहानियां लाने के लिए उत्सुक हैं। कपल का उद्देश्य है कि वे काम्पा फिल्म्स को एक मंच के रूप में उपयोग करके विविध कहानियां सुनाएं, जो दर्शकों के साथ व्यक्तिगत और भावनात्मक रूप से जुड़ती हों।

कुछ प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है प्रोडक्शन हाउस

काम्पा फिल्म्स ने कुछ प्रोजेक्ट पर काम करना शुरू कर दिया है, जिसकी घोषणा आने वाले महीनों में की जाएगी। प्रोडक्शन हाउस को उम्मीद है कि वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय दोनों तरह के दर्शकों को आकर्षित करेगा। उनका लक्ष्य ऐसे प्रोजेक्ट तैयार करना है, जिससे लोगों को संदेश भी मिले और उनका मनोरंजन भी हो जाए।

विजय की जासूसी थ्रिलर फिल्म के शीर्षक से उठा पर्दा? भाग्यश्री बोरसे भी आएंगी नजर

विजय देवरकोंडा अपनी आगामी फिल्म वीडी 12 को लेकर लगातार चर्चा में बने हुए हैं। वीडी 12 की रिलीज से पहले इस फिल्म के टीजर का प्रशंसकों को इंतजार है। इस फिल्म के शीर्षक को लेकर लगातार चर्चा चल रही है। लेकिन अब लगता है फिल्म को एक टाइटल मिल गया है। बहरहाल, कथित तौर पर वीडी 12 का नाम साम्राज्यम रखा गया है।

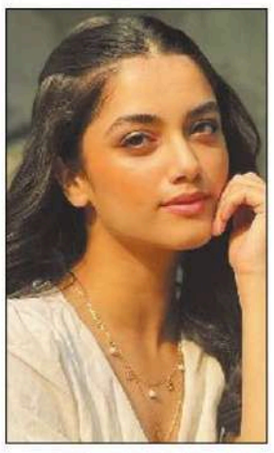

फिल्म का शीर्षक

साउथ अभिनेता विजय देवरकोंडा गौतम थित्रानुरी द्वारा निर्देशित फिल्म वीडी 12 में नजर आएंगे। निर्माता नागा वामसी द्वारा वीडी 12 का शीर्षक तय किए जाने की घोषणा के बाद, फिल्म के शीर्षक के बारे में अफवाहें फैलनी शुरू हो गई हैं। चर्चा के अनुसार, फिल्म का शीर्षक साम्राज्यम है, लेकिन अभी तक फिल्म के शीर्षक की आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है।

जासूसी थ्रिलर फिल्म होगी

भारी भरकम बजट में बन रही इस फिल्म में वियज देवरकोंडा के साथ भाग्यश्री बोरसे मुख्य भूमिका में नजर आएंगी। भाग्यश्री को उनकी फिल्म मिस्टर बच्चन में उनकी भूमिका के लिए जाना जाता है। यह एक जासूसी थ्रिलर फिल्म होगी।

फिल्म का बजट

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म का शीर्षक और एक झलक 7 फरवरी, 2025 को सामने आ सकती है। यह अखिल भारतीय फिल्म सीथारा एंटरटेनमेंट्स और फॉर्च्यून फोर सिनेमाज के बीच एक संयुक्त सहयोग है, जिसमें अनिरुद्ध रविचंदर संगीत तैयार कर रहे हैं।

फिल्म की शूटिंग

बहरहाल, विजय इन दिनों वीडी 12 की शूटिंग में व्यस्त हैं। जानकारी के अनुसार, फिल्म का टीजर 7 फरवरी, 2025 को रिलीज किया जाएगा और निर्माता नागा वामसी ने पहले ही खुलासा कर दिया है कि वीडी 12 को दो भागो में रिलीज किया जाएगा और हर भाग की कहानी अलग होगी। इस तरह वे दो अलग-अलग फिल्में बन जाएंगी। फिलहाल, वीडी 12 की 80 प्रतिशत शूटिंग पूरी हो चुकी है।

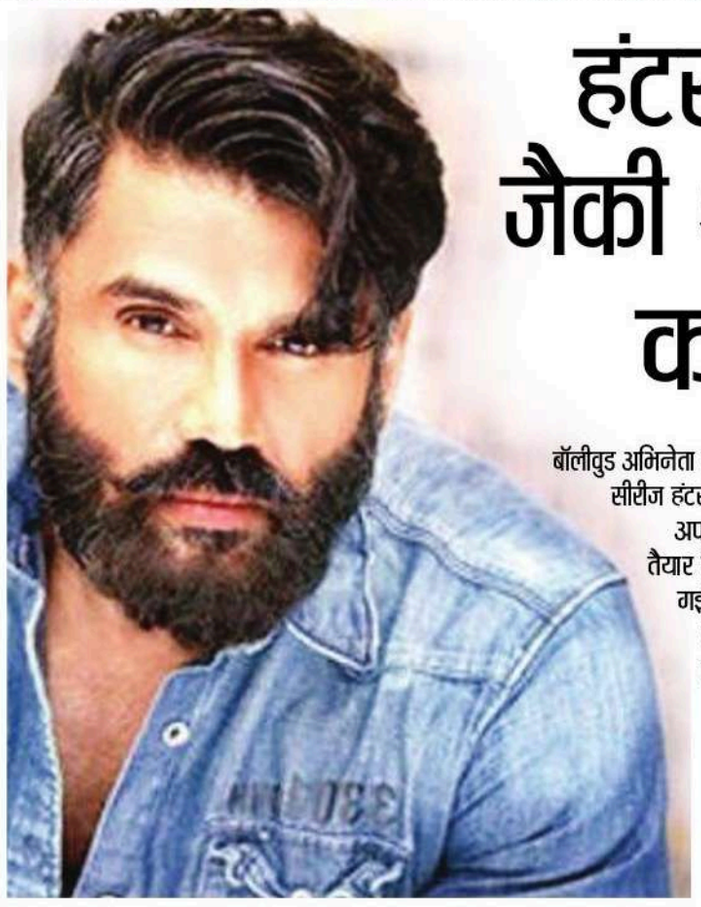

हंटर 2 का टीजर जारी जैकी श्रॉफ से दो-दो हाथ करेंगे सुनील शेट्टी

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी एक्शन थ्रिलर सीरीज हंटर के दूसरे सीजन के साथ अपनी वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसकी शूटिंग शुरू हो गई है। हाल ही में अभिनेता ने शूटिंग की एक झलक साझा की, जिसने दर्शकों को उत्साहित कर दिया है। वहीं अब, निर्माताओं ने भी सीरीज के दूसरे सीजन का अनाउंसमेंट वीडियो जारी कर दिया है।

सुनील शेट्टी का दमदार अवतार

हंटर सीरीज को दर्शकों ने खूब प्यार दिया था। वहीं, अब फैंस हंटर 2 के लिए तैयार हैं। ऐसे में ओटीटी चैनल के आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल ने हंटर टूटेगा नहीं तोड़ेगा के सीजन 2 की भी घोषणा की। इस आकर्षक प्रमोशनल वीडियो में सुनील शेट्टी को एक दमदार अवतार में दिखाया गया है, जिसमें जैकी श्रॉफ भी अहम भूमिका में हैं।

निर्माताओं की पोस्ट

वीडियो साझा करते हुए ओटीटी प्लेटफॉर्म ने सीरीज का टीजर वीडियो साझा करते हुए लिखा, हंटर वापस आ गया है...याद है ना, यह टूटेगा नहीं, तोड़ेगा। हंटर सीजन 2, जल्द ही अमेजन एमएक्स प्लेयर पर आ रहा है। हालांकि, निर्माताओं ने अभी सीरीज की आधिकारिक रिलीज डेट का एलान नहीं किया है, लेकिन यह शो इसी साल दर्शकों का मनोरंजन करेगा।

कलाकार और टीम

वहीं, बात करें सीरीज के कलाकारों की तो सुनील शेट्टी और जैकी श्रॉफ के साथ हंटर 2 में बरखा बिष्ट, अनुषा दांडेकर भी हैं। सीरीज के निर्माता विक्रम मेहरा और सिद्धार्थ आनंद कुमार हैं। सीरीज का निर्माण सारेगामा इंडिया, यूडली फिल्म्स के बैनर तले किया गया है। प्रिंस धीमान और आलोक बत्रा द्वारा निर्देशित इस सीरीज को खुश मलिक, अली हाजी और वीर ने मिलकर लिखा है।

'जॉली एलएलबी 3' का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं राम कपूर

राम कपूर टीवी सीरियल्स की दुनिया का मशहूर नाम हैं, साथ ही वह फिल्मों, वेब सीरीज में भी अलग-अलग तरह के किरदार करते हैं। इस समय वह अपनी वेट लॉस जर्नी को लेकर काफी चर्चा में हैं। लगभग 6-8 महीने में राम कपूर ने 55 किलो वजन कम किया है। हाल ही में राम कपूर को साइरस ब्रोचा के पॉडकास्ट में देखा गया। यहां पर वह अपनी वेट लॉस जर्नी और अपकमिंग प्रोजेक्ट्स पर बात करते हुए दिखे। इस दौरान उन्होंने फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का जिक्र किया। राम कपूर ने साइरस ब्रोचा को उनके पॉडकास्ट में बताया कि वह फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' का हिस्सा हैं। वह इसे एक कमाल की फिल्म बताते हैं। आगे राम बताते हैं कि फिल्म में वह अक्षय कुमार और अरशद वारसी के किरदारों की तरह ही एक वकील के किरदार में हैं। यह रोल छोटा जरूर है लेकिन बहुत ही असरदार है। वह इस फिल्म का हिस्सा बनकर काफी खुश हैं। राम कपूर आगे बताते हैं कि वह वह आयुष्मान खुराना के साथ भी एक फिल्म कर रहे हैं। इसकी कुछ शूटिंग हो चुकी हैं बाकी कश्मीर में होगी। वह जल्द ही इस फिल्म की शूटिंग के लिए कश्मीर जाएंगे।

स्वामी मुद्रक, प्रकाशक सम्पादक कृष्णा टेकड़ीवाल द्वारा डिजिटल अखबार कंकड़बाग पटना से प्रकाशित। समाचार पत्र में किसी भी समाचार व लेख-आलेख पर सम्पादक की सहमति अनिवार्य नहीं है। किसी भी वाद-विवाद के लिए न्याय क्षेत्र पटना ही रहेगा। मोबाइल- 9801716267